RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 113 ● भिलाई, बुधवार 05 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

नशे में धुत शख्स ने महिला को चलती ट्रेन से फेंका, रेलवे ट्रैक पर मिली लहूलुहान

तिरुवनंतपुरम। केरल में एक चलती ट्रेन से 19 वर्षीय युवती को धक्का देकर बाहर फेंक दिया गया। घटना के बाद युवती गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने युवती की सहेली पर भी हमला किया, लेकिन वह दरवाजा पकड़कर बच गई। पुलिस ने नशे की हालत में धुत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना रात की है, जब अलुवा से तिरुवनंतपुरम जा रही केरल एक्सप्रेस ट्रेन वर्कला और कडक्कवूर स्टेशन के बीच अयंती पुल के पास पहुंची। पलोडे निवासी 19 वर्षीय युवती शौचालय से बाहर निकल रही थीं, तभी पनाचमूडु निवासी सुरेश कुमार (48) ने उन्हें अचानक धक्का दे दिया।

वैशाली में कार-ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

पटना। बिहार के वैशाली जिले में सुबह एक सड़क दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह भीषण दुर्घटना जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के नैपर गांव के पास सुबह करीब 4 बजे हुई। औद्योगिक थाने के प्रभारी के अनुसार, पूर्णिया से हाजीपुर जा रही एक तेज रफ्तार लग्जरी कार सड़क पर खड़े एक 16 पहियों वाले ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार चकनाचूर हो गई। सभी मृतक और घायल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान काम कर रही एक एग्जिट पोल टीम से जुड़े थे। टक्कर की आवाज सुनते ही स्थानीय निवासी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। औद्योगिक थाने के कर्मियों ने वाहन के अंदर फंसे शवों को निकालने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बढ़ा प्रदूषण, दम घोंटू हवा से हालात गंभीर, विजिबिलिटी हुई कम

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के 39 निगरानी स्टेशनों में से केवल 7 ही ऐसे हैं जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'खतरे के निशान' से नीचे है, जबकि बाकी सभी स्थानों पर हवा बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई है। दिल्ली के प्रमुख इलाकों में वायु गुणवत्ता बेहद चिंताजनक बनी हुई है। आर.के.पुरम (335), रोहिणी (352), सोनिया विहार (350), वजीरपुर (377) और विवेक विहार (373) जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 300 से ऊपर दर्ज किया गया है।

जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। वहीं, सिरिफोर्ट (338), शादिपुर (330) और पूसा (333) में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब है। इसी कड़ी में नोएडा की स्थिति भी बेहतर नहीं है। सेक्टर-62 में एक्यूआई 304, सेक्टर-116 में 306, और सेक्टर-125 में 299 दर्ज हुआ है। ये सभी 'बहुत खराब' श्रेणी में आते हैं।

बिलासपुर में बड़ा ट्रेन हादसा

मालगाड़ी के ऊपर चढ़ी पैसेंजर ट्रेन छह लोगों की मौत, कई घायल

बिलासपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लालखदान के पास बड़ा रेल हादसा हुआ है। हावड़ा रूट पर चल रही पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतरने के कारण यात्रियों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक कई लोगों के मरने की खबर है। रेलवे प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू टीम और मेडिकल यूनिट को मौके पर भेजा है। स्थानीय प्रशासन भी सहायता के लिए पहुंचा। हादसे के कारण पूरे रूट पर ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। कई ट्रेनों को रद्द या रूट डायवर्ट कर दिया गया। हादसे में प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया गया है। जिसमें मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को पांच लाख और सामान्य रूप से घायल यात्रियों को एक लाख की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। कोरबा पैसेंजर और मालगाड़ी में टक्कर हुई है। इस हादसे में 6 लोगों की मौत होने की खबर सामने आ रही है। वहीं 12 से ज्यादा यात्रियों के घायल होने की भी खबर है। मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। फिलहाल, रेस्क्यू जारी है। मौके पर रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद हैं। हादसे की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुटी हुई है। रेलवे प्रशासन ने मेडिकल यूनिट और रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा है। वहीं स्थानीय प्रशासन भी मदद में जुटा हुआ है। इस हादसे की वजह से कई ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया है। कई ट्रेन दूसरे रूट से अपने गंतव्य के लिए जा रहे हैं। हादसे का कारण अज्ञात है। रेलवे की टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है। यह हादसा बिलासपुर कटनी रेल मार्ग पर हुआ है, जो की सबसे व्यस्ततम मार्ग है जांच पड़ताल के बाद ही स्पष्ट होगा कि इस हादसे की असली वजह क्या है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है , जहां पर उनका इलाज चल रहा है। मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन में टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पैसेंजर ट्रेन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गई ।

रेस्क्यू अभियान जारी, रेलवे और स्थानीय प्रशासन मौके पर तैनात

सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए रेस्क्यू टीम, मेडिकल यूनिट और राहत दल को घटनास्थल पर रवाना किया। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें भी राहत-बचाव कार्य में लगी हुई हैं। भारी संख्या में स्थानीय लोग भी मदद के लिए वहां पहुंच गए हैं, जिससे घटनास्थल पर बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। घायलों को स्ट्रेचर और एंबुलेंस की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। हादसे के कारण बिलासपुर-कटनी रेलमार्ग, जो देश के सबसे व्यस्ततम रेल मार्गों में गिना जाता है, पूरी तरह बाधित हो गया है। पूरे रूट पर ट्रेन संचालन रोक दिया गया है। कई ट्रेनों को रद्द किया गया है, जबकि कुछ को वैकल्पिक मार्गों से उनके गंतव्य की ओर भेजा जा रहा है। यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए रेलवे की ओर से बसों और अन्य साधनों की व्यवस्था की जा रही है।

रेलवे के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने भी की आर्थिक मदद की घोषणा: मृतकों के परिजन को 5 लाख,घायलों को मिलेंगे 50 हजार

रेलवे प्रशासन के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने भी आर्थिक मदद की घोषणा की है। राज्य सरकार ने दुर्घटना में दिवंगत हुए यात्रियों के परिजनों को पांच लाख और घायलों को 50 हजार की आर्थिक सहायता राशि देने का निर्णय लिया है। प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि घायलों के समुचित एवं निःशुल्क इलाज की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिला प्रशासन को तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्यों को तेज़ी से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला प्रशासन एवं रेलवे की टीमें राहत और बचाव कार्य में पूरी तत्परता से जुटी हुई हैं। घायलों के उपचार के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएँ और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है तथा हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बिलासपुर के पास हुई ट्रेन दुर्घटना अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। इस त्रासदी में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ।

1.7 करोड़ मतदाता करेंगे फैसला

महाराष्ट्र में 2 दिसंबर को होंगे निकाय चुनाव, 3 को आएंगे नतीजे....

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मंगलवार को बताया कि 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों में 2 दिसंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 3 दिसंबर को की जाएगी। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित निकायों में आचार संहिता लागू हो गई है। वाघमारे ने आगे बताया कि इन चुनावों में 6,859 सदस्य और 288 अध्यक्ष पदों के लिए मतदान होगा। इस बार मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से कराया जाएगा। राज्य में कुल 1.7 करोड़ पात्र मतदाता हैं, जिनमें 53,79,931 पुरुष, 53,22,870 महिलाएं और 775 अन्य मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए 13,355 केंद्र बनाए जाएंगे, जबकि कुल वार्डों की संख्या 3,820 होगी। इनमें से 3,492 सीटें महिलाओं, 895 अनुसूचित जाति, 338 अनुसूचित जनजाति और 1,821 अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। निर्वाचन आयोग ने नामांकन और हलफनामे ऑनलाइन दाखिल करने के लिए वेबसाइट https:// mahasec-elec.in लॉन्च की है। वहीं, मतदाता अपनी जानकारी और मतदान केंद्र https:// mahasecvoterlist.in पर देख सकते हैं। चुनाव संचालन के लिए 13,726 ईवीएम कंट्रोल यूनिट और 27,452 बैलेट यूनिट तैयार की गई हैं। वाघमारे ने बताया कि लगभग 66,775 कर्मी चुनाव ड्यूटी पर तैनात होंगे, जिनमें 288 रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर तय की गई है। 18 नवंबर को उनकी जांच होगी, जबकि 21 नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। प्रत्याशियों की अंतिम सूची और चुनाव चिह्नों की घोषणा 26 नवंबर को की जाएगी।

सीजेआई बीआर गवई ने केंद्र को लगाई फटकार

हमें सरकार से ऐसी चालबाजी की उम्मीद नहीं थी-सीजेआई..

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए उसकी उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें सरकार ने ट्रिब्यूनल सुधार अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ को सौंपने की मांग की थी। हम आपको बता दें कि केंद्र की ओर से यह मांग सुनवाई के दौरान अचानक रखी गई थी जब याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी हो चुकी थी। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने तीखा रुख अपनाते हुए कहा, हमें भारत सरकार से ऐसी चालबाज़ी की उम्मीद नहीं थी। अदालत के साथ इस तरह का खेल अस्वीकार्य है। न्यायमूर्ति गवई, जो बीस दिनों में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का यह रवैया यह दर्शाता है कि वह मेरी पीठ के समक्ष सुनवाई से बचना चाहती है। पीठ ने कहा, हमने याचिकाकर्ताओं की ओर से सभी तर्कों को विस्तार से सुना। अटॉर्नी जनरल ने एक बार भी यह नहीं बताया कि केंद्र सरकार इस मामले को पाँच न्यायाधीशों की पीठ को सौंपना चाहती है। अब, जब बहस पूरी हो चुकी है, तो यह याचिका केवल देरी की रणनीति प्रतीत होती है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने सफाई दी कि सरकार का कोई अनुचित इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, मामले में संविधान की व्याख्या से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न हैं, इसलिए इसे संविधान पीठ के पास भेजना उपयुक्त होगा।

मगर पीठ ने इसे स्वीकार नहीं किया। न्यायमूर्ति गवई ने कठोर टिप्पणी की कि आधी रात को दाखिल यह आवेदन न्यायिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ है। हमने याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी सुन ली है, अब सरकार इस आधार पर सुनवाई को टाल नहीं सकती। हालांकि पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि उसे लगता है कि मामला संविधान की गंभीर व्याख्या से जुड़ा है, तो वह स्वयं इसे पाँच न्यायाधीशों की पीठ के पास भेज सकती है। फिलहाल, अदालत ने आगे की सुनवाई 7 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।

सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर संजय तिवारी की नियुक्ति पर बिसरा राम यादव (RSS) ने बधाई व आशीर्वाद दिया

लोकतंत्र प्रहरी संवाददाता/ भिलाई । एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज चिखली दुर्ग (छत्तीसगढ़) के चेयरमैन एवं जाने-माने समाज सेवी संजय तिवारी को सनातन धर्म परिषद् न्यास की शाखा सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस महत्तवपूर्ण जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से निभाने के लिए संजय तिवारी ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी श्री बिसरा राम यादव से उनके निवास पर मुलाकात की और उनका मार्गदर्शन व आशीर्वाद लिया।

छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के पिता श्री बिसरा राम यादव ने संजय तिवारी को उनकी नियुक्ति पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान श्री बिसरा राम यादव ने आरएसएस के संगठन में किए गए कार्यों व अनुभवों व मां भारती के लिए किए गए सेवा कार्यों को साझा किया व संजय तिवारी को मिली नई भूमिका के लिए प्रेरित किया।

बिसरा राम यादव ने कहा, आपको सनातन धर्म गौ रक्षा वाहिनी का राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद मिला है। हमें आपकी कार्यशैली व मेहनत पर पूरा भरोसा है, गौमाता कि कृपा से आपको यह दायित्व सौंपा गया है। आप अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें।

उल्लेखनीय है कि संजय तिवारी लंबे समय से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। वे मानव सेवा के साथ-साथ गौ सेवा और गौवंश की रक्षा के कार्यों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं। इन्हीं कार्यों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, संजय तिवारी आशीर्वाद लेने के लिए सीधे श्री बिसरा राम यादव के निवास पर पहुंचे।

श्री तिवारी गौ माता की सेवा, गौवंश की रक्षा और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के माध्यम से वे शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं और शिक्षा के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। उनके इन्हीं नेक कार्यों और समर्पण की वजह से उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

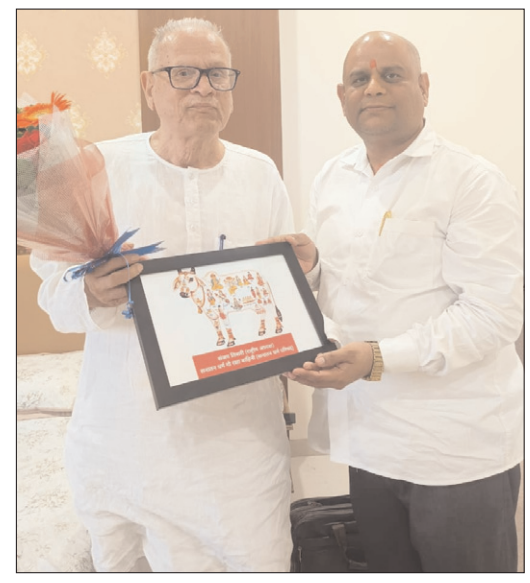

नवा रायपुर में एयर शो आज

9 फाइटर प्लेन के साथ उड़ेंगे जांबाज, इनमें महासमुंद का गौरव भी

रायपुर। संवाददाता

नवा रायपुर के सेंध लेक के ऊपर एयरफोर्स के फाइटर प्लेन बुधवार को एयर शो का शानदार प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए लाल-सफेद रंगों वाले 9 फाइटर प्लेन और उनके पायलट शहर आ चुके हैं। मंगलवार को उनका फुल ड्रेस रिहर्सल होगा और बुधवार को सुबह 10 से 12 बजे के बीच इसका आयोजन किया जाएगा। वायुसेना के प्लेन पांच मीटर के अंतर से उड़ान भरते हुए आसमान में तिरंगा तैयार करेंगे। इसके अलावा बॉम्ब बर्स्ट, हार्ट इन द स्काई और एरोहेड जैसे शानदार प्रदर्शन कर देशभक्ति की भावना जागृत करने का प्रयास करेंगे। न्यू सर्किट हाउस में सोमवार को आयोजित पत्रवार्ता में कड़ी मशक्कत के बाद इन फाइटर प्लेन को उड़ाने में महारत हासिल करने वाले ग्रुप कैप्टन अजय दशराठी, स्क्वॉडन लीडर जसदीप सिंह, राहुल सिंह, गौरव पटेल, संजेश सिंह एवं फ्लाइट लियुटेंट कंवल संधु ने बताया कि सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम पिछले 15 सालों से इस तरह के एयर शो कर रही है। देश के अलावा उन्होंने विदेशों में जाकर भी अपना शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को शो के निर्धारित समय यानी 10 से 12 बजे के बीच अंतिम पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इसके बाद बुधवार को एयर शो का आयोजन होगा। एयरफोर्स से जुड़े इन पायलटों ने बताया कि, कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के मन में देशभक्ति का जज्बा पैदा करना और एयरफोर्स की तरफ आकर्षित करना होता है। इस एयर शो में फाइटर प्लेन में 100 से 10 हजार फीट की ऊंचाई के बीच अपना करतब दिखाएंगे। पांच मीटर के फासले में उड़ने वाले विमान आसमान में तिरंगा तैयार करेंगे और अन्य तरह के शानदार शो का आयोजन करेंगे। टीम के सदस्य इस जोखिम भरे करतब के लिए 6 महीने की कड़ी ट्रेनिंग कर करते हैं और 6 माह शो में शामिल होते हैं। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के रनवे में कड़ी सुरक्षा में फाइटर प्लेन रखे गए हैं। सोमवार को इनमें से तीन ने विमानों को एयरपोर्ट के आसपास आकाश में दोपहर अपना पूर्वाभ्यास किया। सूत्रों का कहना है कि एयर शो के दौरान करीब दो से ढाई घंटे क्षेत्र को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाएगा। इस दौरान रायपुर एयरपोर्ट में आने वाले कुछ विमानों की आवाजाही में बदलाव किया जाएगा।

अपना सपना पूरा करेगा महासमुंद का गौरव पटेल

फाइटर प्लेन में उड़ान भरने वाले स्क्वॉडज लीडर गौरव महारुमुंद के अर्जुनी गाय के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि देश-विदेश में शो करने के दौराज उनका सपना था कि छत्तीसगढ़ के आसमान में वे अपना भो करें. उनका यह सपना पूरा होने वाला है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी में बताया कि बचपन से उसकी इच्या पायलट बनने की थी। पिथौरा के शासकीय स्कूल के बाद उन्होंने सैनिक स्कूल फिर एनडीए की पढ़ाई कर एयरफोर्स में चले गए। गौरव देश के अलावा विदेशों में जाकर सात सौ से अधिक शो कर चुके है।

राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन 7 नवम्बर को

पदयात्रा नागाबुड़ा से शुरू होकर गांधी मैदान गरियाबंद में होगा समापन

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राष्ट्रीय एकता पदयात्रा के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बताया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चन्द्राकर उपस्थित थे। कलेक्टर ने बताया कि राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का उददेश्य लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को नमन करने के साथ उनकी एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। गरियाबंद जिले में एकता पदयात्रा का आयोजन शुक्रवार 07 नवम्बर को सुबह 9 बजे अटल चौक नागाबुड़ा से किया जाएगा और विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी मैदान गरियाबंद में सम्पन्न होगा। प्रत्येक स्थल पर देशभक्ति गीतों के साथ तिरंगा लेकर पदयात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान सरदार वल्लभ भाई पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा और देश के प्रति उनके योगदानों को याद किया जाएगा। युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और सेवा भावना के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया जाएगा। प्रभारी जिला खेल अधिकारी ने बताया कि यह पदयात्रा नागाबुड़ा के अटल चौक से होकर नहरगांव, कोकड़ी से होते हुए जिला मुख्यालय स्थित गांधी मैदान में सम्पन्न होगी। इसमें स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, एनएसएस, एनसीसी, माय भारत वॉलिंटियर भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के 150 जयंती के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पदयात्रा के पूर्व स्कूल-कॉलेजों में विभिन्न अल्प अवधि के कार्यक्रम जैसे वाद-विवाद, निबंध, क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित किया जायेगा। जिसमें मुख्य रूप से एकता, अखंडता, स्वच्छ भारत की विलय, और इंडियन सिविल सर्विस की स्थापना तथा सरदार पटेल की दूरदृष्टि से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों को लेकर बनाया जाएगा। जिन्हें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जायेगा। पदयात्रा के दौरान फिटनेस शिविर, नुक्कड़ नाटक और नशा मुक्ति के लिए युवा शपथ कार्यक्रम भी होंगे। कार्यक्रम के दौरान एकता पदयात्रा के प्रतिभागियों हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप परीक्षण, डायबिटीज टेस्ट और टीकाकरण जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, पदयात्रा मार्ग में स्थित सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा, ताकि एकता के साथ स्वच्छ भारत का संदेश दिया जा सके। कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को एकता पदयात्रा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक निर्वहन के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। इस दौरान जन संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एस के बर्मन, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता रामेश्वर सिंह, पीएचई के कार्यपालन अभियंता विप्लव घृतलहरे, कृषि विभाग के उपसंचालक चंदन राय, डीएमसी शिवेश शुक्ला, डीएसपी लितेश सिंह सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्योत्सव में स्थानीय कलाकारों और विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर स्थानीय गांधी मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला ने दर्शकों का मन मोह लिया। जिले के शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों और स्थानीय कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति की विविध झलकियों से मंच को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती शिशु मंदिर गरियाबंद के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत बारहमासी लोकगीत से हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ की ऋतुओं और लोकजीवन का सुंदर चित्रण किया गया। इसके पश्चात एंजेल एंग्लो हाई स्कूल गरियाबंद की छात्राओं ने मनमोहक सुआ नृत्य प्रस्तुत कर सबका ध्यान आकर्षित किया। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय गरियाबंद की छात्राओं ने रिलो नृत्य के माध्यम से टीम भावना और उत्साह का संदेश दिया, वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियाबंद की प्रस्तुति हल्बी गीत ने आदिवासी संस्कृति की सजीव झलक प्रस्तुत की। इसके बाद स्प्रिंग बोर्ड हाई स्कूल सोहागपुर एवं पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास गरियाबंद के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की प्रस्तुति से वातावरण को लोक रंगों से भर दिया। कमार आवासीय विद्यालय दर्रापारा के विद्यार्थियों ने अपनी पारंपरिक पहचान को दर्शाते हुए कमार नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि एकलव्य आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा के छात्रों ने छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गैर-शालेय दलों की प्रस्तुतियाँ भी आकर्षण का केंद्र बनीं। जय सदगुरु कबीर साहेब कुंडेल तारीघाट के कलाकारों ने सुवा नृत्य, चिन्हारी लोक नर्तक दल गरियाबंद ने लोक नृत्य, तथा ईशा रानी लोक गाथा मंडली ने भावपूर्ण भरथरी गायन प्रस्तुत किया। इसी क्रम में खेलावन निषाद द्वारा मनमोहक पंडवानी गायन और गौकरण मानिकपुरी द्वारा लोक कला मंच की प्रस्तुति ने राज्योत्सव की सांस्कृतिक गरिमा को और बढ़ाया।

छायाचित्र प्रदर्शनी ने लोगों को किया आकृष्ट, कैबिनेट मंत्री सहित जनप्रतिनिधियों ने किया अवलोकन व खिंचवाई सामूहिक फोटो

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ रजत जयंती राज्योत्सव का तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 2 से 4 नवंबर 2025 तक पंडित चकरपाणी शुक्ल शासकीय हाई स्कूल मैदान में किया जा रहा हैं। इस अवसर पर जनसम्पर्क विभाग द्वारा 25 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित आकर्षक छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई हैं। राज्योत्सव में आने वाले लोग छायाचित्र प्रदर्शनी की ओर बरबस ही खींचे चले आते हैं और शौक से फोटो भी खिचवाते हैं। राज्योत्सव के शुभारम्भ अवसर पर जिले के प्रभारी व स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं सामूहिक फोटो भी खिचवाई। छायाचित्र प्रदर्शनी में 25वर्ष की प्रगति को आकर्षक ढंग ह्यसे प्रदर्शित किया गया हैं जिसमें किसानों क़ा सम्मान, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण, आवास और सामाजिक सुरक्षा, सुगम आवागन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग, मोदी की गारंटी अंतर्गत 18 लाख पीएम आवास की स्वीकृति, कृषक उन्नति योजना, रिक्त शासकीय पदों पर भर्ती, शक्तिपीठ परियोजना,तेन्दु पत्ता पारिश्रमिक दर वृद्धि, प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, नई रेल लाईन, ई -बस सेवा, आदि शामिल हैं। इसके साथ ही विभाग द्वारा प्रकाशित जानकारी से भरपूर पत्रिका, ब्रोशर, पम्पलेट का भी वितरण लोगों को किया जा रहा है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, डॉ सनम जांगड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी : बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य 1 नवम्बर से पर्यटकों के लिए खुला

बलौदाबाजार। बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य, रायपुर से लगभग दो घंटे की दूरी पर स्थित, छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख वन्यजीव गंतव्य है जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, हरियाली और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यह अभ्यारण्य 1 नवम्बर 2025 से पर्यटकों के लिए पुनः खुल गया है। वर्ष ऋतु में यहाँ पर्यटकों की आवाजाही पर रोक लगाई गई थी। बारिश ख़त्म होने के बाद अभयारण्य की सुंदरता में चार चाँद लग गए हैं। इस बार अभ्यारण्य में पर्यटकों की सुविधा के लिए तीन प्रवेश द्वार - पकरीद, बरबसपुर और रवान निर्धारित किए गए हैं, जिनसे सफारी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। जंगल सफारी के दौरान पर्यटक यहां की समृद्ध वन संपदा और विविध जीव-जंतुओं को नज़दीक से देखने का रोमांच अनुभव कर सकेंगे। मुख्य आकर्षणों में तेंदुआ, भालू, गौर, कृष्णमृग सहित कई अन्य स्तनधारी प्रजातियां तथा 200 से अधिक पक्षी प्रजातियां शामिल हैं, जो इस क्षेत्र की पारिस्थितिक समृद्धि को दर्शाती हैं। इस वर्ष विशेष रूप से तैयार किया गया लेपर्ड सफारी जोन पर्यटकों के लिए एक नया और रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा। बारनवापारा केवल वन्यजीव प्रेमियों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रकृति और शांति के चाहने वालों के लिए भी एक आदर्श स्थल है। यहाँ की वादियों में फैली हरियाली, पक्षियों की चहचहाहट और सघन वनों की प्राकृतिक सुंदरता एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती है। पर्यटकों के लिए अभ्यारण्य परिसर एवं आसपास स्थित इको-टूरिज्म रेसॉर्ट्स एवं विश्राम गृहों में रहने की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई है, जहाँ वे प्रकृति की गोद में सुकून भरे पल बिता सकते हैं। इस अवसर पर वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने कहा कि बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह प्रकृति से जुड़ने और संरक्षण की भावना को जागृत करने का माध्यम है। हम सभी प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का स्वागत करते हैं कि वे इस सत्र में बारनवापारा आएं और इसकी अदभुत जैव-विविधता का अनुभव करें। वन विभाग द्वारा पर्यटकों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित सुरक्षा एवं संरक्षण नियमों का पालन करें, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखा जा सके।

विधानसभा कसडोल में विभिन्न विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं भूमि पूजन

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के प्रभारी मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के मुख्यातिथ्य में एवं अध्यक्षता कर रहे गौरीशंकर अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा, विशिष्ट अतिथि रहे शिवरतन शर्मा पूर्व विधायक भाटापारा एवं प्रदेश के भाजपा नेता के करकमलों से ग्राम खटियापाटी (विधानसभा कसडोल) में विकास कार्य सम्पन्न हुआ। जिसमें भाजपा जिला बलौदाबाजार भाटापारा के पदाधिकारी एवं मण्डल पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे साथ में प्रशासनिक अधिकारी दिपक सोनी कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार व ग्रामीणजन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

चीतल की मृत्यु प्रकरण में लापरवाही बरतने पर दो वनकर्मी निलंबित

बलौदाबाजार। मृत चीतल को दफ़नाने के पूर्व निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर वनमण्डलाधिकरी गणवीर धम्मशील ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो लापरवाह वनकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अक्टूबर को बलौदाबाजार वनमण्डल के अर्जुनी परिक्षेत्र अंतर्गत दक्षिण महराजी परिसर में एक मादा चीतल वन्यप्राणी को वनरक्षक द्वारा बिना उच्च अधिकारियों को सूचित किए तथा बिना पोस्टमार्टम कराए मृत वन्यप्राणी को दफना दिया गया। परिक्षेत्र अधिकारी अर्जुनी द्वारा प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि मृत चीतल को पहले एक स्थान पर दफनाने के बाद पुनः दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर दोबारा दफनाया गया था। यह संपूर्ण प्रक्रिया विभागीय नियमों, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 एवं निर्धारित कार्यप्रणालियों के विपरीत पाई गई। घटना की जानकारी प्राप्त होते ही वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर वनरक्षक राजेश्वर वर्मा एवं नरोत्तम पैंकरा को कर्तव्य की उपेक्षा एवं अनुशासनहीनता के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही, घटना की विस्तृत जांच के के लिए उप वनमण्डल अधिकारी कसडोल को निर्देशित किया है। वनमंडल अधिकारी द्वारा क्षेत्रीय अमले को यह निर्देश भी जारी किए गए हैं कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित निगरानी, त्वरित सूचना आदान-प्रदान एवं रिपोर्टिंग प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। साथ ही सभी परिक्षेत्रों में वन्यजीव गश्ती दलों की जिम्मेदारी और सतर्कता बढ़ाने हेतु भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल का किया गया वितरण

भंवरपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्गापाली में सरस्वती साइकिल योजना के तहत बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर जनपद सभापति मधु प्रेम खुंटे, जिला पंचायत सभापति देवकी दीवान, सरपंच मौना पटेल, निमंकर पटेल प्राचार्य सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं तथा शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष चितरंजन पटेल उपस्थित थे।

श्रीराधा कृष्ण मंदिर परिसर में देव उठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह का हुआ आयोजन

भंवरपुर। स्थानीय श्रीराधा कृष्ण मंदिर परिसर में सोमवार को देव उठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह का आयोजन भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भगवान श्री राधा कृष्ण का पूजन-अर्चन कर देवोत्थान पर्व मनाया। संध्या समय तुलसी विवाह की भव्य झांकी सजाई गई। विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच तुलसी माता का विवाह भगवान शालिग्राम से कराया गया। मंदिर को आकर्षक फूलों और दीपमालाओं से सजाया गया था, जिससे पूरा परिसर दिव्य और आलोकित दिखाई दे रहा था। भजन-कीर्तन और आरती के साथ वातावरण भक्तिमय बना रहा। प्रसाद वितरण के पश्चात श्रद्धालु भावविभोर होकर घर लौटे। आयोजन में ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। गौरतलब है कि इसके पूर्व यहां आंवला नवमी के अवसर पर भी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यहां धार्मिक आयोजन से न सिर्फगांव में भक्ति भाव का संचार हो रहा बल्कि ग्रामीणों में आपसी एकता सदभावना का भी विकास हो रहा है।

जनकल्याण योजनाओं की प्रदर्शनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने दी राज्योत्सव की शुभकामनाएं

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर स्थानीय गांधी मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम आयोजन किया गया। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनकराम ध्रुव, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, तथा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रिखीराम यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, मीडियाप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में कलेक्टर बी.एस. उइके ने जिले की उपलब्धियों के प्रतिवेदन का पठन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मंत्री दयालदास बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना जनता के लंबे संघर्ष और संकल्प का परिणाम है। आज 25 वर्ष की इस यात्रा में प्रदेश ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और सामाजिक विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में देश व राज्य तेजी से आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर अग्रसर है। उन्होंने जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार जनकल्याण की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने के लिए संकल्पित है। मंत्री बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनता के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मंत्री दयालदास बघेल सहित उपस्थित अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकास प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से विभागीय योजनाओं की जानकारी ली और आम नागरिकों से योजनाओं के लाभ के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुँचे, इसके लिए प्रशासन सतत प्रयास कर रहा है। इस अवसर पर मंत्री बघेल ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को सामग्री, उपकरण एवं चेक का वितरण भी किया। जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह में राजिम विधायक रोहित साहू ने जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और राज्य के गौरवशाली 25 वर्षों की यात्रा को जनसहभागिता एवं विकास की मिसाल बताया। छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हमारे सपनों का साकार रूप है, जिसने गाँव-गरीब, किसान, महिला एवं युवा वर्ग के उत्थान के लिए नई दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद गरियाबंद जिले ने शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। समारोह में बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक जनक राम ध्रुव ने अपने उदबोधन में जिलेवासियों को राज्योत्सव की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि राज्य के गठन के बाद छत्तीसगढ़ ने विकास की अनेक ऊँचाइयों को छुआ है और आज यह राज्य अपनी संस्कृति, संसाधनों और लोक परंपराओं के संरक्षण के लिए देशभर में जाना जाता है।

अवैध शराब पर प्रशासन ने की सख्त कार्रवाई 150 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश पर आबकारी अधिकारी गजेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले में अवैध शराब के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आबकारी विभाग की टीम ने ग्राम इंदगांव से लगे जंगल में कच्ची मदिरा विनिर्माण के संभावित स्थलों पर कार्यवाही करते हुए जंगल में छिपाकर रखे गए 150 बल्क लीटर अवैध कच्ची मदिरा मादक पदार्थ को बरामद किया। कार्यवाही के दौरान आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध सतत कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक नागेशराज, रजतचंद ठाकुर, आबकारी मुख्य आरक्षक चंद्रलोल गायकवाड़, आबकारी आरक्षक पीताम्बर चौधरी, नगर सैनिक मनीष कश्यप, संजय नेताम, महिला नगर सैनिक कामिनी सोनी, वाहन चालक गोवर्धन सिंह और कुलेश्वर निषाद का योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

साइबर खतरों से निपटने में सक्षम है पॉवर कंपनी का सायबर सुरक्षा तंत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ रोहित यादव ने कहा है कि पॉवर कंपनी की सायबर सुरक्षा प्रणाली सायबर खतरों से निपटने में सक्षम है और नवीन प्रौद्योगिकी से लैस है। विद्युत सेवा भवन में एक सादे समारोह में सीएसपीडीसीएल द्वारा सायबर सुरक्षा पर तैयार सायबर सुरक्षा संक्षेपिका और कंप्यूटर डेस्क मैट का अध्यक्ष डॉ रोहित यादव ने विमोचन किया। कंप्यूटर डेस्क मैट पर साइबर सुरक्षा सम्बंधित क्या करें और क्या न करें उपयोगकर्ता जागरूकता हेतु लिखा गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सूचना सुरक्षा प्रकोष्ठ (आईएससी) ने कंपनी के नेटवर्क, सर्वर, एप्लीकेशन, डाटा एवं वेबसाइट समेत सभी ऑफिस के कंप्यूटर को अत्याधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली से सुरक्षा कवच प्रदान किया है। उन्होंने कंपनी के कार्मिकों के लिए प्रतिवर्ष सायबर सुरक्षा जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करने को सार्थक पहल बताया। इस मौके पर मौजूद पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि पॉवर कंपनी मुख्यालय में केन्द्रीयकृत सायबर सुरक्षा संचालन केन्द्र (सी-एसओसी) संचालित है जहां से प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं संबंधी डाटा की गोपनीयता एवं सुरक्षा की निगरानी की जाती है। उन्होंने कहा कि यह देश में सार्वजनिक क्षेत्र में पॉवर सेक्टर का पहला सायबर सुरक्षा केन्द्र है। इस केन्द्र में 24* 7 सभी सायबर इंसीडेंट की निगरानी की जाती है। इस दौरान प्रतिदिन हजारों सायबर अटैक को मॉनिटर एवं विफल किए जाते हैं। श्री कंवर ने बताया कि राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा माह के अंतर्गत 1- 31 अक्टूबर तक पॉवर कंपनियों में विभिन्न स्तरों पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सायबर सुरक्षा संक्षेपिका और कंप्यूटर डेस्क मैट के विमोचन अवसर पर कार्यपालक निदेशक (ईआईटीसी) विनोद कुमार साय, अधीक्षण अभियंता (आईएससी) विकास शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सायबर सुरक्षा के मापदण्डों का कड़ाई से पालन सुनिश्चत करने के कारण सीएसपीडीसीएल को विगत दस वर्षों से आईएसओ 27001 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है जो कि सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू होने का द्योतक है। यहाँ हर वर्ष केन्द्रीय स्तर की जाँच एजेंसी सायबर सुरक्षा संबंधी समीक्षा भी करती है।

धारदार हथियार से युवक की हत्या, खून से लथपथ मिला शव इलाके में फैली सनसनी

रायपुर। जिले के नगरी थाना क्षेत्र के ग्राम छिपली से एक दिल दहला देने वाली हत्या की घटना सामने आई है। जहां एक 34 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का नाम सनी लहरे उर्फ सुयश लहरे है जो की ग्राम छिपली का रहने वाला था। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना नगरी थाना पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से किए गए कई वारों के निशान पाए गए हैं, जिससे प्रतीत होता है कि उसकी हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है। फिलहाल हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों और आरोपियों की पहचान के लिए जांच जारी है। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। शव को नगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नगरी पुलिस ने बताया कि हत्या के हर पहलू की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी या आरोपियों का सुराग मिलने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस टीम सभी संभावित बिंदुओं पर काम कर रही है, जिसमें पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत रंजिश या अन्य कारणों की जांच शामिल है। इस घटना ने ग्राम छिपली और आसपास के क्षेत्रों में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल पैदा कर दिया है।

एग्री-स्टेक पंजीयन की समय सीमा बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री से किसान मोर्चा का आग्रह

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर एग्री-स्टेक पंजीयन की समय सीमा बढ़ाने का आग्रह किया। श्री ठाकुर ने मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया कि प्रदेश के काफी किसान 31 अक्टूबर तक की निर्धारित समय सीमा में एग्री-स्केट पंजीयन नहीं करा पाए हैं। इसके चलते उन्हें इस वर्ष धान विक्रय से वंचित होना पड़ेगा। साथ ही, इस पंजीयन में तकनीकी त्रुटियाँ भी काफी आ रही हैं। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री ठाकुर ने मुख्यमंत्री श्री साय से आग्रह किया कि एग्री-स्टेक पंजीयन की समय अवधि को बढ़ाया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास दिलाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के साथ खड़ी हुई है और उनकी सभी समस्याओं का निराकरण करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा, किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य खेम तिवारी, सोशल मीडिया सह प्रभारी महेश कौशल, किसान मोर्चा बलरामपुर जिला महामंत्री विकास मंडल उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से साकार हुआ गंगी के पक्के मकान का सपना

रायपुर। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बीच से उठी यह कहानी उम्मीद, साहस और परिवर्तन की मिसाल है। कभी भय और असुरक्षा में घिरी रहने वाली मड़कम गंगी, जो कभी नक्सल गतिविधियों से जुड़ी रहीं, आज प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की बदौलत सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जी रही हैं। गंगी का जीवन जंगलों की अंधेरी राहों से गुजरता हुआ अब उजाले की नई दिशा में बढ़ चला है। सितंबर 2014 में आत्मसमर्पण कर उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटने का साहसिक निर्णय लिया। शासन की पुनर्वास नीति और प्रशासन के सहयोग ने उन्हें सुरक्षा, सम्मान और नई पहचान दी। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला सुरक्षित ठिकाना कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में वर्ष 2024-25 में विशेष परियोजना के तहत गंगी का सर्वे 'आवास प्लस (विशेष)' ऐप से किया गया। गृह विभाग से प्राप्त सूची के अनुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पक्का आवास स्वीकृत किया। पहाड़ी और नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने से निर्माण सामग्री पहुँचाना एक बड़ी चुनौती थी।

छत्तीसगढ़ में महतारियों के सशक्तिकरण की कहानी

नई उड़ान, नया क्षितिज छत्तीसगढ़ में महतारियों के सशक्तिकरण की कहानी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ अपने विकास-यात्रा के स्वर्णिम पड़ाव पर है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आधार बनी हैं - राज्य की महिलाएँ, जिन्हें स्नेह व सम्मान से महतारी कहा जाता है। बीते वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने महिला सशक्तिकरण को केवल नीतिगत प्राथमिकता नहीं बनाया, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की धुरी के रूप में स्थापित किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आज महिलाएँ योजनाओं की लाभार्थी मात्र नहीं, परिवर्तन की वाहक बनकर उभरी हैं। राज्य में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए सरकार ने विविध योजनाएँ शुरू की हैं। सबसे उल्लेखनीय महतारी वंदन योजना है, जिसके तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को अब तक 12,983 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई है। यह सहायता महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा ही नहीं, बल्कि परिवार व समाज में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता भी प्रदान करती है। दीदी ई-रिक्शा योजना ने 12,000 महिलाओं को रोजगार के नए अवसर दिए। सक्षम योजना के तहत 32,000 महिलाओं को 3 प्रतिशत ब्याज पर 2 लाख रुपए तक व्यवसायिक ऋण दिया गया, जबकि महतारी शक्ति ऋण ने 50,000 महिलाओं को बिना जमानत ऋण प्रदान कर आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना से 1.15 लाख महिलाएँ घर-परिवार के साथ उत्पादन कार्य से जुड़कर सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं। कोंडागांव की रतो बाई का जीवन कभी नक्सली भय से घिरा था। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से उन्हें 1.20 रुपए लाख और मनरेगा से 90 दिन का रोजगार मिला। आज वे पक्के घर में सुरक्षित जीवन जीती हैं और सब्ज़ी विक्रय के माध्यम से जीवन यापन करती हैं। उज्ज्वला, नल-जल जैसी सुविधाएँ उनके जीवन में प्रकाश भर रही हैं। दंतेवाड़ा जिले की गंगादेवी स.ाह की महिलाएँ आज

टाटा मैजिक वाहन का संचालन कर 26,000 रुपए मासिक आय अर्जित कर रही हैं। यह उदाहरण बताता है कि ग्रामीण महिलाएँ अवसर मिलने पर कैसे नए व्यवसायों का संचालन कर सकती हैं। सरगुजा की श्रीमती श्यामा सिंह ने बिहान योजना के तहत 95,000 रुपए की सहायता से 30 सेंट्रिंग प्लेट से काम शुरू किया। आज उनके पास 152 प्लेट हैं तथा वे 50,000 रुपए प्रतिमाह कमाती हैं। कोरबा की श्रीमती मंझनीन बाई को छ्रस्त्र फंड से स्वास्थ्य केंद्र में नियुक्त होकर उन्हें 9,000 रुपए मासिक मानदेय मिलता है। यह न सिर्फ आर्थिक स्थिरता, बल्कि सामाजिक सम्मान भी देता है। कभी नक्सली हिंसा से भयभीत बस्तर आज नए परिदृश्य के साथ उभर रहा है। यह इलाका आत्मनिर्भरता, सम्मान और अवसरों की नई पहचान बन गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कहते हैं कि बस्तर का पुनर्निर्माण केवल सड़क या पुल बनाना नहीं, यह वहाँ के हर घर में विश्वास का दीप जलाने का संकल्प है। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15,000 विशेष आवास स्वीकृत किए, जिनमें से 3,000 बस्तर, सुकमा, कांकेर, बीजापुर और दंतेवाड़ा में बन रहे हैं। अब तक 12,000 से अधिक लोग सुरक्षित आवास पा चुके हैं। छत्तीसगढ़ में महिला स.ाह की संख्या 2,80,362 है, जिनमें से लगभग 60,000 समूह बस्तर में सक्रिय हैं। वनोपज और हस्तशिल्प आधारित उद्यमों से करोड़ों का कारोबार हो रहा है। लखपति महिला मिशन के अंतर्गत 2,000 महिलाएँ सालाना 1 लाख रुपए से अधिक कमाती हैं। 'जशप्योर' और बस्तर बेंत उत्पाद राष्ट्रीय पहचान पा चुके हैं। महिलाएँ अब रोजगार पाने तक सीमित नहीं, बल्कि रोजगार-दाता भी बन रही हैं।

भाजपा सरकार के कमीशन खोरी के कारण जनता अनाप-शनाप बिजली बिल से परेशान

■ बिजली बिल हाफ योजना बंद होने और स्मार्ट मीटर एवं भ्रष्टाचार के कारण दोगुना तिगुना बिजली बिल जनता परेशान

रायपुर। संवाददाता

अनाप-शनाप बिजली के बिल के लिए भाजपा सरकार के कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार को जिम्मेदार बताते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि आम जनता दोगुनी तिगुनी बिजली बिल से परेशान है।जिनके घरों में 500 रु600रु महीना बिल आता था स्मार्ट मीटर लगने एवं बिजली बिल हाफ योजना बंद होने से 2 हजार से तीन हजार तक बिल आ रहा है। स्मार्ट मीटर की खामियों की वजह से 20 हजार 27 हजार बिल आ रहा है जिसकी कोई सुनवाई नही हो रही है। ये सब भाजपा सरकार की पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने के नीति के कारण हो रहा है। पूंजीपतियों को फायदा पहुँचाने पहले बिजली बिल हाफयोजना को बंद किया मुफ्त बिजली देने का झांसा दिया और निजी कंपनियों के साथ साजिश करके स्मार्ट मीटर लगाकर आम जनता को अनाप-शनाप बिजली बिल भेजकर लुटा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बिजली बिल हाफ योजना से प्रदेश के 54 लाख घरेलू

उपभोक्ताओं को 400 यूनिट बिजली मिलता था जिसे बंद कर अपने पूंजीपति मित्र के सोलर पैनल को जबरदस्ती लगाने मजबूर कर रही है।जनता स्मार्ट मीटर लगाना नही चाहती फिर भी जोर जबरदस्ती स्मार्ट मीटर थोपा जा रहा है। बिजली विभाग में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है सब स्टेशन के संचालन 500 रु खर्च होता था अब उसका 2000 रु की दर पर टेंडर किया गया है इसे 82 करोड रुपए का नुकसान होने का अनुमान है कोयला ढुलाई जो छत्तीसगढ़ में 350 रु पर टन में होता है उसके लिये गुजरात की कंपनी को 780 रु टन की दर दे कराया जा रहा है।सरकारी विभागों में बकाया बिजली बिल को घाटा बताकर आम जनता से वसूला जा रहा है पूरी तरह से बिजली विभाग में अराजकता फैल गया है जनता की सुध लेने वाला कोई नहीं है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस मांग करती है बिजली बिल हाफ योजना पुनः शुरू किया जाए उपभोक्ताओं को 400 यूनिट में छूट की सुविधा मिले स्मार्ट मीटर हटाया जाये। बिजली विभाग में होने वाले समान सप्लाई, कोयला ढुलाई, संचालन का टेंडर में पारदर्शिता हो स्थानीय स्तर पर दर तय हो ताकि व्यय भारत जनता पर ना पड़े।

श्रमिक सशक्तिकरण और राज्य के नीतिगत विकास की झलक दिखा श्रमविभाग की प्रदर्शनी में

■ इस योजना में चयनित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का निशुल्क कोचिंग प्रदान किया जाता है

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के तीसरे दिन भी भारी संख्या में रही लोगों की भीड़। राज्य सरकार के श्रम विभाग की विशेष प्रदर्शनी ने लोगों के मन में विशेष आकर्षण एवं उत्साह पैदा किया है। श्रम विभाग की प्रदर्शनी में राज्य के श्रमिकों की मेहनत, विकास और सरकारी नीतियों के समन्वय की कहानी को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया है। राज्य गठन के बाद से श्रम विभाग ने श्रमिकों के अधिकार, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की योजनाओं के माध्यम से लाखों श्रमिक परिवारों को शिक्षा सहायता, स्वास्थ्य सुविधा, मातृत्व लाभ और पेंशन का लाभ मिल रहा है। सरकार की श्रम नीतियाँ पारदर्शी और तकनीक-संवर्धित रही हैं। ईश्रम पोर्टल के माध्यम से अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिक भी आसानी से योजनाओं से जुड़ पा रहे हैं। महिला श्रमिकों के कौशल विकास, सुरक्षित कार्यस्थल और स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहलें की गई हैं। प्रदर्शनी में डिजिटल डिस्प्ले और दृश्य सामग्री के ज़रिए श्रमिक सशक्तिकरण की इस 25 वर्षीय यात्रा को जनजन तक पहुँचाया जा रहा है। बाल श्रम उन्मूलन, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सृजन जैसे विषयों को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। श्रम विभाग के अंतर्गत 'अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना' के माध्यम से मंडल में 01 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण श्रमिक के प्रथम 02 संतानों को कक्षा 6वीं में प्रवेश दिया जाकर कक्षा 12वीं तक श्रेष्ठ आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त नि:शुल्क शिक्षा प्रदान किया जाता है। इस योजना में चयनित कोचिंग संस्थानों के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं का निशुल्क कोचिंग प्रदान किया जाता है। राज्योत्स्व स्थल में आए आगंतुकों ने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल सरकारी योजनाओं का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मेहनत का मान और श्रमिक के सम्मानका प्रतीक है। 25 वर्षों में श्रम विभाग ने छत्तीसगढ़ के श्रमिकों को विकास की धारा में अग्रणी बनाकर सशक्त राज्य की नई पहचान गढ़ी है।

प्रदेश नकली दवाओं का गढ़ बन गया है

अस्पतालों में दी जाने वाली दवाओं की गुणवत्ता जांच फेल हो रही........

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश नकली दवाओं का अड्डा बन चुका है। सरकारी अस्पतालों में दी जाने वाली दवाओं की गुणवत्ता जांच फेल हो रही है। एक दर्जन से अधिक जिला अस्पतालों और मेडिकल कालेजों में सप्लाई की गई दवाएं जांच में मानक विहीन पाई गई है। इन दवाओं के प्रयोग के कारण मरीजों की हालत सुधरने के बजाय बिगड़ रही है। सरकार नकली दवाओं को की सप्लाई करने वालो पर कार्यवाही करने के बजाय उनको बचाने में लगी है। स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की अक्षमता के कारण ही अस्पतालो तक नकली दवा पहुंच रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण प्रदेश में नकली और अमानक दवाएं धड़ल्ले से बिक रही है। पौने दो साल की भाजपा सरकार में पैरासिटामाल और दर्द निवारक दवाओं तक में फंगल और काले धब्बे पाये गये है। कवर्धा में दस्त की दवा भी अमानक पाई गयी है। सरकारी स्कूलों तक में अमानक दवाये बांटी गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पूरी सरकार ठेके पर चल रही है, मुनाफाखोरों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है, इसी तरह की दवाओं की खरीददारी के लिए फार्मेसी काउंसिल का रजिस्टर एक अयोग्य स्टोर कीपर को बनाकर रखा गया है, अस्पतालों में दवा के नाम पर ज़हर दिया जा रहा है।

युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत....

रायपुर। करतला थाना क्षेत्र के रवानाडांड गांव में एक 25 वर्षीय युवक की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके को दहला दिया है। मृतक की पहचान शिवलाल के रूप में हुई है, जो रोजी-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। गत 01 नवंबर की रात शिवलाल खाना खाकर अपने कमरे में सो गया था। अगली सुबह जब देर तक वह बाहर नहीं निकला, तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने दरवाजा खोलकर देखा तो शिवलाल अचेत पड़ा था। परिजनों ने उसे जीवित समझते हुए तुरंत वाहन से जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बीमारी का कोई इतिहास नहीं, मौत पर सवाल: मृतक के बड़े भाई सुंदरलाल ने बताया कि शिवलाल पूरी तरह स्वस्थ था।

दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में स्कूली बच्चों से किया संवाद

सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने बच्चों से की मुलाकात, दी प्रेरणा-बढ़ाया उत्साह

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर राजधानी रायपुर में आज भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने स्कूली बच्चों से आत्मीय मुलाकात की। यह मुलाकात न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि देशभक्ति और प्रेरणा से भरपूर भी थी। भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के सदस्य दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम पहुँचे, जहाँ उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत की। बच्चों में टीम के पायलटों और तकनीकी विशेषज्ञों को देखकर जबरदस्त उत्साह था। सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बच्चों ने उत्साह से उनका स्वागत किया। टीम के सदस्यों ने बच्चों को बताया कि कैसे सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम अनुशासन, सटीकता और टीमवर्क के माध्यम से आकाश में अद्भुत करतब करती है। उन्होंने समझाया कि हवाई करतब केवल कौशल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि साहस, एकाग्रता और धैर्य की परीक्षा भी होती है। टीम ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर उड़ान एक जिम्मेदारी है — न केवल भारतीय वायुसेना के प्रति, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव के प्रति भी। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि अगर वे मन लगाकर मेहनत करें, तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं। टीम ने बच्चों को भारतीय वायुसेना के जीवन, प्रशिक्षण और तकनीकी तैयारियों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एयर फोर्स के बनने के लिए न केवल शारीरिक फिटनेस जरूरी है, बल्कि मानसिक मजबूती और वैज्ञानिक सोच भी उतनी ही आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे — उड़ान के दौरान टीम के पायलटों के बीच कितनी दूरी रहती है, मौसम का क्या प्रभाव पड़ता है, और हवा में बने हार्ट या एरोहेड जैसे फॉर्मेशन कैसे बनाए जाते हैं। टीम के सदस्यों ने मुस्कुराते हुए हर सवाल का जवाब सरल और प्रेरक अंदाज़ में दिया। सूर्यकिरण टीम के सदस्यों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल हवाई प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी में

देशभक्ति, अनुशासन और समर्पण की भावना जगाना भी है। उन्होंने बच्चों से कहा हमारी उड़ान तभी सार्थक है जब आपकी आँखों में भी उड़ने का सपना जग जाए। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और अभिभावकों ने कहा कि यह संवाद बच्चों के लिए अविस्मरणीय रहा। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अब भारतीय सशस्त्र बलों को नए दृष्टिकोण से देख रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में सूर्यकिरण टीम ने सभी विद्यार्थियों को 5 नवम्बर को नवा रायपुर में आयोजित 'एरोबैटिक शो' में शामिल होकर भारतीय वायुसेना के शौर्य का साक्षी बनने का आमंत्रण दिया।

छत्तीसगढ़ देखेगा भारतीय वायुसेना का शौर्य

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर राजधानी नवा रायपुर का आसमान 5 नवम्बर को भारतीय वायुसेना के पराक्रम और गौरव का साक्षी बनेगा। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम इस दिन अपने अद्भुत हवाई करतबों से नवा रायपुर के आकाश को देशभक्ति, रोमांच और गर्व के रंगों से भर देगी। यह प्रदर्शन रजत जयंती समारोह का प्रमुख आकर्षण होगा। 5 नवम्बर को नवा रायपुर का आसमान गर्व, रोमांच और देशभक्ति के रंगों से सराबोर होगा। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती पर यह शौर्य की उड़ान हर नागरिक के हृदय में भारतीय वायुसेना के प्रति सम्मान और गर्व की भावना को और ऊँचा उठाएगी। राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित यह एरोबैटिक शो छत्तीसगढ़ की नई ऊँचाइयों और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा। 'बॉम्ब बर्स्ट', 'हार्ट-इन-द-स्काई', 'एरोहेड' जैसी विश्वप्रसिद्ध फॉर्मेशन्स जब आकाश में आकार लेंगी, तब पूरा वातावरण भारतीय शौर्य और तकनीकी निपुणता से गूंज उठेगा। यह आयोजन छत्तीसगढ़ के युवाओं में अनुशासन, टीमवर्क और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और मजबूत करेगा। राज्य शासन और भारतीय वायुसेना के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं।

संपादकीय

खुद मोबाइल बताएगा - कौन कर रहा है फोन ! साइबर ठगी पर लगेगा ब्रेक

इसमें दोराय नहीं कि नई तकनीक के साथ चुनौतियां भी साथ आती हैं। मोबाइल फोन और इंटरनेट की आसान पहुंच का बढ़ता दायरा सुविधाजनक तो है, लेकिन इससे कई तरह के जोखिम भी हैं। साइबर धोखाधड़ी इनमें से एक है, जो हाल के वर्षों में आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। सुरक्षा एजंसियों को भी ऐसे अपराधियों का पता लगाने और उनकी धर-पकड़ के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ती है।मोबाइल उपभोक्ताओं को साइबर जालसाजों की ओर से आए दिन अनजान नंबरों से फोन आना आम बात हो गई है और जो लोग उनके झांसे में आ जाते हैं, वे लाखों-करोड़ों रुपए गंवा बैठते हैं। मगर अब इस तरह के फोन की पहचान करना आसान होगा। दूरसंचार विभाग जल्द ही आम उपभोक्ताओं को मोबाइल पर ऐसी सुविधा प्रदान करेगा, जिससे फोन करने वाले व्यक्ति का नाम भी प्रदर्शित होगा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।हालांकि, मोबाइल पर फोन करने वाले व्यक्ति के नाम का पता लगाने के लिए कुछ ऐप आनलाइन उपलब्ध हैं और चुनिंदा लोग उनका इस्तेमाल भी करते हैं। मगर, नाम प्रदर्शित करने की इनकी सटीकता और इस्तेमाल को लेकर लोगों में भ्रम बना रहता है। ऐसे में दूरसंचार विभाग और ट्राई ने जो कदम उठाया है, वह सभी मोबाइल धारकों के हित में है।दरअसल, ट्राई ने फरवरी, 2024 में फोन करने वाले का नाम प्रदर्शित करने से जुड़ी इस सेवा पर अपनी सिफारिशों में कहा था कि यह केवल मांग करने वाले उपभोक्ताओं को ही मुहैया कराई जाए। जबकि दूरसंचार विभाग का कहना था कि यह सुविधा सभी मोबाइल उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। ट्राई ने अब विभाग के इस प्रस्ताव पर सहमति जता दी है और इस पर परीक्षण भी शुरू कर दिया गया है। दूरसंचार विभाग ने उम्मीद जताई है कि यह सुविधा देशभर में मार्च, 2026 तक लागू हो जाएगी। खास बात यह कि अब मोबाइल फोन में ही यह सुविधा मौजूद रहेगी।दूरसंचार विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से साइबर धोखाधड़ी के मामलों पर अंकुश लगाया जा सकेगा। जब किसी मोबाइल पर अनजान नंबर से फोन आएगा, तो स्क्रीन पर उसका नाम भी दिखाई देगा। इससे उपयोगकर्ता सतर्क हो जाएगा और वह साइबर ठगों के जाल में फंसने से बच जाएगा। यह कदम इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि देश में साइबर अपराध का दायरा तेजी से बढ़ रहा है।राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की ओर से हाल में जारी एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2022 में साइबर अपराध के 65,983 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2023 में इनकी संख्या बढ़ कर 86,420 हो गई। इस तरह की धोखाधड़ी के उभरते परिदृश्य से पता चलता है कि साइबर जालसाज ठगी के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते हैं।

डॉ. कार्तिक उरांव जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। झारखंड(तब बिहार) के गुमला जिले लिटाटोली में जन्में बाबा कार्तिक उरांव ने न केवल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। बल्कि, जब देश को उनकी आवश्यकता पड़ी क्षणिक देर किए बगैर अपने स्थापित सुनहरे भविष्य को त्याग कर स्वदेश लौट आए और हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन(एचईसी) में अपनी सेवा देने लगे। जब उन्हें लगा कि एचईसी की सेवा से देश के जनजातियों के हितों की रक्षा नहीं हो पाएगी तो राजनीति में चले आए। विधायक, सांसद से लेकर केंद्रीय मंत्री तक की यात्रा पूरी की। डॉ.. उरांव का व्यक्तित्व ऐसा था कि पक्ष-विपक्ष दोनों ही बडे सम्मानपूर्वक उनका नाम लेते थे। संसद में जब वह बोलते थे, तो सभी सदस्य बहुत ध्यान से उनकी बातों को सुनते थे।

काला हीरा जिन्होंने दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया

(अजीत कुमार सिंह)

एक मौका ऐसा भी आया जब उन्होंने जनजातीय समाज की हितों की रक्षार्थ अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी। राजनीतिक शुचिता और आर्थिक पारदर्शिता के प्रतीक कार्तिक बाबु का जब देहावसान हुआ तब उनके बैंक खाते में मात्र 26 रुपये पाए गए। बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी डॉ.. कार्तिक उरांव का जन्म झारखंड के गुमला जिले के लिटाटोली में 29 अक्टूबर 1924 को हुआ था। इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका से उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की। तमाम विपरीत परिस्थतियों के बावजूद भी उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया।

उस समय के सबसे बड़े एटॉमिक पावर स्टेशन, हिंकले प्वाईंट का प्रारुप तैयार किया। दुनिया उन्हें काला हीरा के नाम से जानती है। जनजातीय समाज की पीड़ा को समझने वाले झारखंड (तत्कालीन बिहार) के अनमोल रत्न डॉ. कार्तिक उरांव पहले ऐसे राजनेता थे, जिनके पास अभियांत्रिकी(इंजीनियरिंग) की नौ डिग्रियां थीं।

अत्यंत सम्पन्न जीवन का भविष्य होते हुए भी उन्होंने समाज की पीड़ा को समझा और जनजाति समाज के दुःखों को दूर करने के लिए सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया। 1967 में वे लोहरदगा से लोकसभा के लिए चुने गए। केन्द्र सरकार में मंत्री भी रहे। जनप्रतिनिधि के रुप में कार्य करने के दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की समस्याओं को काफी निकट से देखा।

चर्च एवं मिशनरी संस्थाओं द्वारा भोले-भाले जनजातीय लोगों का मतांतरण ने उन्हें व्यथित कर दिया। उन्होने देखा कि कैसे जनजातीय समाज के मतांतरित लोग आरक्षण का लाभ ले रहे हैं तथा इससे मूल जनजातीय समाज के लोगों को अपने अधिकारों से वंचित होना पड रहा है। जनजातीय समाज के लोगों के साथ हो रहे इस अन्याय को लेकर वह दुःखी हो गए।

जनजातीय समाज के साथ हो रहे धोखे को देश के सामने लाने वाले: स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात जनजातीय समाज जिस आवाज को ढूंढ रहे थे, डॉ. कार्तिक उरांव न केवल उसके आवाज बने बल्कि संपूर्ण समाज के शैक्षणिक, सांस्कृतिक उत्थान के साथ सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने जनजातीय समाज के साथ हो रहे धोखे का उजागर किया और समाज के हितों की रक्षा के लिए लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष किया।उनका मानना था कि मतांतरित हुए जनजातीय लोग, जो अपनी संस्कृति-परंपरा, आस्था-विश्वास,

रूढ़ी रीति-रिवाज से कट कर विदेशी संस्कृति अपना लेते हैं उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। संसद में रहते हुए उन्होंने लगातार जनजातियों के हित में प्रखर आवाज उठाई और उन्हीं के प्रयत्नों से संसद द्वारा 1968-69 में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के संदर्भ में एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया गया और उनकी अनुशंसाओं के आधार पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) विधेयक 1969 संसद में प्रस्तुत किया गया।कार्तिक उरांव जी का यह 20 वर्ष का अनुभव था कि मतांतरित जनजाति सदस्यों द्वारा सारी संवैधानिक सुविधाएं हड़प लिए जाने के कारण वास्तविक जनजातियों के लिए यह '20 वर्ष की अवधि = एक काली रात' के समान है और इसी काली रात के अंधेरे से निकालकर जनजाति समाज को उनके अधिकारों और सुविधाओं को दिलाकर विकास की नई रोशनी में लाना होगा।

...जब अपने ही सरकार से भीड़ गए कार्तिक बाबु: बाबा कार्तिक उरांव ने अपने देश की जनजातीय समाज की परिस्थिति का चित्रण तीन भागों में किया। पहला भाग भारतीय संविधान के लागू होने के पूर्व का काल अर्थात् 1950 के पूर्व का काल। दूसरा भाग संविधान लागू होने के पश्चात् अर्थात् 1950 से उनके जीवन के काल तक और तीसरा भाग जनजातीय समाज के आने वाले कल की परिस्थिति।

संविधान में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति दोनों वर्गों के लोगों के लिए आरक्षण का प्रावधान है। अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के साथ समाजिक भेदभाव का शिकार होने के कारण आरक्षण की सुविधा प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इसी तरह अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की विशेष रीति- रिवाज, संस्कृति व परंपरा को बचाए रखने के लिए उन्हें भी आरक्षण का लाभ दिए जाने का प्रावधान है।

यदि अनुसूचित जाति वर्ग का कोई व्यक्ति मतांतरित हो जाता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिल सकता। इस बात का प्रावधान संविधान में है। लेकिन यदि कोई अनुसूचित जनजाति वर्ग का व्यक्ति मतांतरित हो जाता है तो उसे आरक्षण का लाभ मिलता रहता है। वास्तव में इसे संविधान की विसंगति ही कही जाएगी।

जनजातीय समाज में सभी रीति-रिवाज, सामाजिक व्यवस्था एवं पारंपारिक उत्सव आदि अपने आराध्य देवी-देवता एवं देव स्थान के प्रति आस्था व विश्वास के प्रति आधारित होते हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि कुछ मतांतरित लोग अपनी संस्कृति, आस्था, परंपरा को त्याग कर ईसाई या मुसलमान हो गये हैं, इन सुविधाओं का 80 प्रतिशत लाभ मूल जनजाति समाज से छिन रहे हैं।

डॉ. कार्तिक उरांव ने इस बात को भलीभांति अनुभव किया। इस बात ने उन्हें काफी व्यथित कर दिया। उनका दुःख देश भर के जनजातीय समाज का दुःख था। देश भर में जनजातीय समाज द्वारा झेल जा रहे इस अन्याय का उन्होंने विरोध किया। संविधान की इस भयानक विसंगति को लेकर उन्होंने देश भर में एक बडी बहस खडी की।

डॉ. कार्तिक उरांव ने 10 नवंबर 1970 को 348 संसद सदस्यों (322 लोकसभा से और 26 राज्यसभा से) के हस्ताक्षरयुक्त एक ज्ञापन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को सौंपा जिसमें संयुक्त संसदीय समिति की उक्त संस्तुति को स्वीकार करने की मांग की गई, परंतु सरकार इस विषय पर बहस कराने का साहस नहीं दिखा पाई।

तमाम विरोध के पश्चात् 16 नवंबर 1970 को सरकार इस विषय पर चर्चा करने को तैयार हुई। 16 नवंबर को लोकसभा में बहस शुरू हो गई और 17 नवंबर 1970 को भारत सरकार की ओर से एक संशोधन पेश किया गया कि विधेयक में से संयुक्त संसदीय समिति की उस संस्तुति को हटा लिया जाए, जो समस्त जनजातीय समाज के हितों पर वज्राघात के समान था।

इस पर भी कार्तिक बाबू ने हार नहीं मानी और 24 नवंबर 1970 को लोकसभा में जोरदार बहस करते हुए संयुक्त संसदीय समिति की संस्तुति को मंजूर करने की पुरजोर मांग की। वे इतने %भावुक हो गए कि उन्होंने सरकार से कहा कि या तो आप इस संयुक्त संसदीय समिति की संस्तुति को वापस लेने की बात को हटा दें या मुझे इस दुनिया से हटा दें।

इस पर सभी संसद सदस्यों ने संयुक्त संसदीय समिति की संस्तुति का साथ दिया। ऐसी परिस्थिति में सरकार ने बहस को स्थगित कर दिया और आश्वासन दिया कि बहस उसी सत्र के अंत में की जाएगी। परंतु दुर्भाग्य से ऐसा न हो सका क्योंकि 27 दिसंबर 1970 को लोकसभा भंग हो गई और इसी के साथ जनजातीय समाज के उत्थान और कल्याण का और उन पर हो रहे भीषण अन्याय को दूर करने का सुनहरा अवसर चला गया।

यदि वह संस्तुति मंजूर हो जाती और संविधान में जनजातियों की परिभाषा में ईसाई एवं इस्लाम में धर्मांतरित लोगों का जनजातीय स्टेटस निरस्त हो जाता तो अपनी संस्कृति और पहचान की रक्षा करने वाला स्वाभिमानी और देशभक्त जनजातीय समाज इस अन्याय से बच जाता।

आज पांच दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आज भी यह अन्याय लगातार जारी है। बाबा कार्तिक उरांव आज नहीं है लेकिन उनका दर्द यानी पूरे जनजातीय समाज का दर्द वैसे का वैसा बना हुआ है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

मानसून की आपदाओं के बाद अब चरम सर्दियों का सायरन

(जयसिंह रावत)

मानसून की तबाही अभी ताजा है। इस साल भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन ने हिमालयी राज्यों में जो तबाही मचाई उसकी भरपाई में ही कई साल लगेंगे। लेकिन जैसे ही बादल छँटे, अब सर्दी का एक नया डरावना चेहरा सामने आने लगा है। भारतीय मौसम विभाग ने इस वर्ष सामान्य से अधिक कठोर सर्दी की संभावना जताई है। ला नीना प्रभाव के कारण इस बार अत्यधिक ठंड, असामान्य शीतलहरें और भारी हिमपात की आशंका जताई गयी है। इसका सीधा असर हिमालयी राज्यों पर पड़ेगा, जहां हिमस्खलन की घटनाएं बढ़ सकती हैं। यह केवल यात्रियों और पर्यटकों के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों, सेना और निर्माण कार्यों के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। सियाचिन सहित भारत तिब्बत सीमा स्थित सेना की चौकियों की चुनौतियों को ये सर्दियां काफी बढ़ा सकती है।

अब ला नीना के कोप का खतरा: दरअसल, ला नीना एक ऐसी जलवायु घटना है, जो प्रशांत महासागर के पूर्वी भाग में समुद्र की सतह के तापमान में गिरावट के कारण उत्पन्न होती है। यह एल नीनो का विपरीत रूप है। एल नीनो जहां भारत के मानसून को कमजोर बनाता है, वहीं ला नीना उसे प्रबल करता है, परंतु सर्दियों में ठंड को अत्यधिक बढ़ाता भी है। अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) के अनुसार, 2025 के अंत तक ला नीना के विकसित होने की 71 प्रतिशत संभावना है, जो दिसंबर 2025 से फरवरी 2026 तक सक्रिय रह सकती है। भारतीय मौसम विभाग के विशेषज्ञों का भी यही अनुमान है कि उत्तर भारत में तापमान सामान्य से दो से तीन डिग्री कम रहेगा, लंबी शीतलहरें चलेंगी और हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी सामान्य से कहीं अधिक होगी। इसका अर्थ है कि पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय रहेंगे, जिसके परिणामस्वरूप दिसंबर से अप्रैल तक हिमालयी ढलानों पर तीन से पाँच मीटर तक बर्फ जम सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कमजोर ला नीना भी बर्फबारी में 20 से 30 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है, जिससे हिमस्खलन की संभावना दोगुनी हो जाती है। जलवायु परिवर्तन ने इस जोखिम को और जटिल बना दिया है। गर्मियों की गर्मी से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जबकि सर्दियों में वर्षा के साथ बर्फ गिरने से हिमस्तर अस्थिर होता जा रहा है। हिमस्खलन तब होता है जब किसी ढलान पर जमा बर्फ, हिमखंड या चट्टान अचानक खिसक पड़ती है। इसके मुख्य कारणों में अत्यधिक बर्फबारी, तापमान में तीव्र उतार-चढ़ाव, मानवजनित गतिविधियाँ जैसे सड़क निर्माण या विस्फोट, और जलवायु परिवर्तन से बढ़ती वर्षा शामिल हैं। चण्डीगढ़ स्थित स्नो एंड एवेलांच स्टडी एस्टैब्लिशमेंट (एसएएसई) के अनुसार, ला नीना के वर्षों में हिमालय में हिमस्खलन की घटनाएं सामान्य वर्षों की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत अधिक होती हैं। दिसंबर से मार्च का समय उत्तरमुखी 25 से 45 डिग्री ढलानों वाले क्षेत्रों में एवलांच का खतरा चरम पर माना जाता है। पिछले वर्षों में हिमालय इन भयावह घटनाओं का साक्षी रहा है। फरवरी 2021 में उत्तराखंड के चमोली जिले की ऋषिगंगा घाटी में 27 मिलियन घनमीटर बर्फ और चट्टानों का स्खलन हुआ, जिसने मलबे की बाढ़ का रूप ले लिया। इस हादसे में दो सौ से अधिक लोग मारे गए और परियोजनाओं को हजारों करोड़ रुपये की क्षति हुई। अक्टूबर 2022 में उत्तरकाशी में नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के प्रशिक्षुओं पर हिमस्खलन टूटने से 27 ट्रैकर्स की मौत हुयी। फरवरी 2025 में चमोली के माणा गांव के निकट सीमा सड़क संगठन के शिविर पर बर्फ का पहाड़ टूट पड़ा, जिसमें 54 मजदूर दब गए। आठ की मृत्यु हो गई और 46 को 36 घंटे के अभियान के बाद ड्रोन और हेलीकॉप्टर की मदद से बचाया गया। अप्रैल 2023 में सिक्किम की लाचेन घाटी में 16 पर्यटक मारे गए और 370 लोगों को बचाया गया। सियाचिन जहां भारत की सेना स्थाई रूप से तैनात है वहां ऐसी घटनायें आम हैं। दरअसल, ये घटनाएं केवल जानें ही नहीं लेता, बल्कि सड़कें, पुल, विद्युत आपूर्ति और जलस्रोतों को भी महीनों तक ठप कर देता है। वर्ष 2020 से 2025 के बीच 250 से अधिक लोगों की मृत्यु ऐसे हादसों में हुई है। एवलांच हादसों के लिये हिमालय के पश्चिमी और मध्य भाग सबसे अधिक जोखिम में हैं। उत्तराखंड के चमोली, उत्तरकाशी, बद्रीनाथ और केदारनाथ मार्ग, हिमाचल प्रदेश के मनाली, रोहतांग पास, लाहौल-स्पीति क्षेत्र, जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, द्रास, कारगिल और सियाचिन ग्लेशियर, तथा सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के युमथांग और तवांग क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील हैं। ये सभी क्षेत्र 3,000 से 6,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित हैं, जहां पर्यटन, तीर्थयात्रा और सीमावर्ती सड़क निर्माण लगातार जारी है। इन इलाकों में लगभग एक करोड़ लोग निवास करते हैं, जिनमें लाखों की आजीविका सीधे बर्फ से जुड़ी है। स्थानीय निवासी जैसे चरवाहे, किसान और सेब उत्पादक, बर्फ पर निर्भर हैं, लेकिन हिमस्खलन उनके खेतों और घरों को बर्बाद कर देता है।

एनडीए के घोषणापत्र में ज्यादा दम है या महागठबंधन के? वादों की बारिश के बीच मतदाता को क्या भायेगा?

(नीरज कुमार दुबे)

राजग के घोषणा पत्र के प्रमुख प्रावधानों में पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आर्थिक सहायता का भी उल्लेख है। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) को सरकार 10 लाख रुपये की सहायता देगी और उनके हितों के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित किया जाएगा।

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और महागठबंधन (इंडिया ब्लॉक) दोनों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्रियों जीतन राम मांझी, चिराग पासवान तथा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की मौजूदगी में एनडीए ने अपना विस्तृत घोषणापत्र प्रस्तुत किया। एनडीए के घोषणापत्र में एक करोड़ रोजगार, महिलाओं के सशक्तिकरण, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश पर ज़ोर दिया गया है। घोषणापत्र में हर जिले में मेगा स्किल सेंटर, औद्योगिक पार्क, महिला उद्यमिता मिशन, खेती के लिए एमएसपी की गारंटी, और सात नए एक्सप्रेसवे जैसी योजनाओं की घोषणा की गई है। इसके साथ ही गरीबों के लिए 50 लाख नए घर, 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन और बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य ढांचा का वादा किया गया है।

राजग के घोषणा पत्र के प्रमुख प्रावधानों में पिछड़े वर्गों के लिए विशेष आर्थिक सहायता का भी उल्लेख है। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) को सरकार 10 लाख रुपये की सहायता देगी और उनके हितों के लिए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित किया जाएगा। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र के लिए राजग ने 'कर्पूरी ठाकुर किसान सम्मान निधि' शुरू करने की घोषणा की है, जिसे केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से लागू किया जाएगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी दी जाएगी और कृषि अवसंरचना में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। घोषणापत्र में कहा गया है कि बाढ़ प्रभावित उत्तर बिहार को अगले पांच वर्षों में पूरी तरह इस समस्या से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। शहरी विकास के तहत चार और शहरों में मेट्रो रेल सेवा शुरू करने की घोषणा भी की गई है। राजधानी क्षेत्र में 'न्यू पटना' नामक एक हरित (ग्रीनफील्ड) परियोजना विकसित की जाएगी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीतामढ़ी के पुनौरा धाम जानकी मंदिर को 'सीतापुरम' के रूप में विकसित किया जाएगा। घोषणा पत्र में यह भी कहा गया है कि बिहार से विदेशी उड़ानें शुरू की जाएंगी और कई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे बनाए जाएंगे। साथ ही, राज्य में 10 नए औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे और प्रत्येक जिले में फैक्टरी एवं विनिर्माण इकाइयां शुरू की जाएंगी।

राजग ने वादा किया है कि अगले पांच वर्षों में राज्य में 50 लाख करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया जाएगा, जिससे औद्योगिक क्रांति की गारंटी सुनिश्चित होगी। शिक्षा के क्षेत्र में राजग ने केजी से पीजी तक निशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वादा किया है। अनुसूचित जाति के उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 2,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। राजग ने गरीब और वंचित वर्गों के लिए 'पंचामृत गारंटी' की घोषणा की है, जिसके तहत मुफ्त राशन, पांच लाख रुपए तक का मुफ्त उपचार, 50 लाख पक्के मकान और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सुनिश्चित की जाएगी राजग ने घोषणापत्र में कहा कि खेल के क्षेत्र में राज्य में 'बिहार स्पोर्ट्स सिटी' का निर्माण किया जाएगा ताकि युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं मिल सकें। संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। घोषणा पत्र के अनुसार, गिग वर्कर्स और ऑटो चालकों को वित्तीय सहायता और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। भाजपा ने कहा, यह घोषणापत्र प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और नीतीश कुमार के भरोसे का प्रतीक है।

देखा जाये तो बिहार की राजनीति में घोषणापत्र अब केवल नीतिगत दस्तावेज़ नहीं रहे, बल्कि भावनात्मक प्रोपेगेंडा बन चुके हैं। इस बार दोनों खेमों ने वादों की ऐसी बारिश की है कि आम मतदाता के लिए असली और नकली बादल में फर्क करना मुश्किल हो गया है। एनडीए का घोषणापत्र दिखने में व्यावहारिक और संरचनात्मक है– यह विकास, उद्योग और स्थिरता की बात करता है। वहीं महागठबंधन का घोषणापत्र भावनात्मक है– यह नौकरी, वेतन और सरकारी स्थायित्व जैसे सीधे वादे करके युवाओं के दिलों को छूने की कोशिश करता है। एनडीए ने इस बार 'गारंटी' को मुख्य शब्द बनाया है। मोदी की गारंटी और नीतीश का भरोसा, यह नारा सीधे जनता की याद्दाश्त में बैठाने की रणनीति है। घोषणापत्र का फोकस बुनियादी ढांचे पर है। जैसे- 7 एक्सप्रेसवे, 3,600 किमी नई रेल लाइनें, हर जिले में मेडिकल कॉलेज और औद्योगिक पार्क का वादा किया गया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिहार में उद्योग लगाने का माहौल तैयार है? बिजली, भूमि, कानून व्यवस्था और मानव संसाधन, ये चारों चुनौतियाँ अभी भी गंभीर हैं। देखा जाये तो एक करोड़ रोजगार का वादा तब तक महज़ नारा रहेगा जब तक बिहार में पूंजी निवेश आकर्षक नहीं बनता। दीदी मिशन' और 'महिला उद्यमिता योजना'के ज़रिए ग्रामीण महिला वोट बैंक को साधने की कोशिश की है। नीतीश कुमार का पिछला रिकॉर्ड इस दिशा में अपेक्षाकृत मज़बूत रहा है, इसलिए इस वर्ग में एनडीए का वादा विश्वसनीय दिखता है। वहीं तेजस्वी यादव ने घोषणापत्र को पूरी तरह युवाओं के लिए डिज़ाइन किया है। '20 दिन में नौकरी' जैसा वादा तात्कालिक रूप से आकर्षक ज़रूर लगता है, लेकिन वित्तीय दृष्टि से यह असंभव है। बिहार के राजस्व संसाधन सीमित हैं; अगर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, तो यह न केवल आर्थिक रूप से अव्यावहारिक होगा बल्कि शासन व्यवस्था भी चरमरा जाएगी। पुरानी पेंशन योजना, ठेका कर्मियों का स्थायीकरण और 'जीविका दीदी' को सरकारी दर्जा देने जैसी घोषणाएँ वित्तीय बोझ को कई गुना बढ़ा सकती हैं। महागठबंधन ने भावनात्मक राजनीति का सहारा लिया है, पर शासन के व्यावहारिक समीकरणों को नज़रअंदाज़ किया है। अब सवाल उठता है कि जनता किसके घोषणापत्र से प्रभावित होगी? देखा जाये तो बिहार की जनता अब केवल वादों से नहीं, विश्वसनीयता से प्रभावित होती है। नीतीश कुमार की छवि एक अनुभवी प्रशासक की है, भले ही अब उनकी लोकप्रियता घट रही हो। मगर मोदी फैक्टर आज भी ग्रामीण और मध्यम वर्ग में भरोसे का प्रतीक है। दूसरी ओर तेजस्वी यादव युवाओं में उम्मीद जगाते हैं, लेकिन 'जंगलराज' की पुरानी यादें अभी भी वोटरों के दिमाग़ में ताज़ा हैं। इसलिए, शहरी और मध्यम वर्ग के मतदाता संभवतः एनडीए के 'विकास और स्थिरता' के वादे से आकर्षित होंगे, जबकि बेरोज़गार युवा और निम्न वर्ग महागठबंधन की 'नौकरी और पेंशन' की घोषणाओं की ओर झुक सकते हैं। वहीं महागठबंधन का घोषणापत्र तत्काल राहत का सपना दिखाता है लेकिन उसकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। बिहार के मतदाता अब भावनाओं से अधिक परिणाम चाहते हैं। वह जान चुके हैं कि 'रोज़गार की राजनीति' और 'विकास की राजनीति' के बीच एक बहुत गहरा अंतर है। बिहार के लिए असली सवाल यह नहीं है कि कौन ज्यादा वादे करता है, बल्कि यह है कि कौन अपने वादों को निभा सकता है। और इस बार, जनता घोषणापत्र नहीं, विश्वसनीयता को वोट देगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का हुआ भव्य शुभारंभ

सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने दी मनमोहक प्रस्तुती

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पर जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का भव्य शुभारंभ रविवार को हुआ, जिसमें बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेण्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि विधायक उसेण्डी ने राज्योत्सव के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विभागीय उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रदर्शनी की जानकारी ली। साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री का वितरण भी किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकारों और स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ की पारंपरिक नृत्यों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

स्थानीय विकास नगर स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए विधायक लता उसेंडी ने जिलेवासियों को छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव की शुभकामनाएं दी और पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि यहां के नागरिकों की भावनाओं को ध्यान में रखकर अटल बिहारी वाजपेई जी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ ने इन 25 वर्षों में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय तरक्की की है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों में हमारे राज्य और जिले में विकास कार्य देखने को मिलता है। जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए आज सुपोषित जीवन अभियान की शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक जो विकसित भारत की संकल्पना की है, इसे पूरा करने के लिए राज्य के साथ जिले में भी कार्य करना होगा और इसमें सबकी सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के क्रियान्वयन में अगर समाज का सहयोग मिल जाए तो उसका सकारात्मक परिणाम जरूर मिलता है। उन्होंने सुपोषित जीवन अभियान में समाज की भी सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि आप सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर जो बच्चे कुपोषित हैं उन्हें सुपोषित स्तर में लाने के लिए प्रयास अवश्य करें। विधायक उसेण्डी ने कहा कि जिला अस्पताल में दीदी की रसोई का भी शुभारंभ किया गया हैं। पहले वहां मरीजों के परिजनों को भोजन के लिए बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब कैंटीन शुरू होने से उन्हें अच्छा भोजन मिलेगा। इस कार्य को आगे बढ़ाने में आप सभी की सहभागिता आवश्यक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारा राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है और सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति पहुंचाने में हर व्यक्ति जुड़ जाए तो हमारा जिले के विकास को और गति मिलेगी।

व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनाबाल के छात्र-छात्राओं को कराया गया औद्योगिक भ्रमण

कोण्डागांव। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनाबाल में संचालित व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत ऑटोमोबाइल ट्रेड के छात्र-छात्राओं को औद्योगिक भ्रमण शुक्रवार 31 सितंबर को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोंडागांव में कराया गया! जिसमें कक्षा 9वी से 12वीं तक कुल 93 छात्रों को पहले औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोंडागांव में संचालित मैकेनिक डीजल ट्रेड ,फिटर ट्रेड, वेल्डर ट्रेड में ऑटोमोबाइल से संबंधित प्रैक्टिकल कार्य सिखाया गया! यह भ्रमण छात्र-छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक और उपयोगी रहा बच्चों ने अपनी जिज्ञासा को प्रश्नों के माध्यम से शांत किया! संस्था के प्राचार्य यजेंद्र नाथ मांझी ने बच्चों को भ्रमण की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से बच्चे न केवल पढ़ाई करते हैं बल्कि व्यावहारिक कौशल सीखते हैं।

इससे रोजगार के बेहतर अवसर आर्थिक विकास आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीक शामिल है संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन में व्यावसायिक प्रशिक्षक तुलसी साहू खेम कुमार पांडे मुरीत राम खुसरो के द्वारा संपन्न कराया गया!

जिले में सुपोषित जीवन अभियान का शुभारंभ

कोण्डागांव। जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से रविवार को स्थानीय बाजारपारा आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत सुपोषित जीवन अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी तथा कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ मशाल रैली निकालकर अभियान की शुरुआत की। विधायक एवं कलेक्टर ने हाथों में दिया लेकर बाजारपारा से विकासनगर स्टेडियम तक पैदल रैली निकाली। इस रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपोषण सखी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। रैली का उद्देश्य जिलेभर में पोषण के प्रति जनजागरूकता फैलाना और कुपोषण उन्मूलन में जनसहभागिता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर विधायक लता उसेंडी ने कहा कि कुपोषण केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि समाज के भविष्य का सवाल है। हम सबको मिलकर यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि कोई भी बच्चा भूखा या कुपोषित न रहे और आने वाली पीढ़ी स्वस्थ व सशक्त हो सके। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उनके पोषण की जिम्मेदारी उठाएं और समाज में सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनें। उन्होंने महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य पर जोर देते हुए कहा कि बालिकाओं और महिलाओं को एनीमिया मुक्त करने में भी सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। अभियान के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को पोषण प्रोगेस कार्ड दिया गया। साथ ही जिलेभर में आदिकर्मयोगी अभियान के तहत सेवाभाव से कार्य करने की इच्छुक ग्रामीण महिलाओं को पोषण सखी बनाया गया है, जो घर-घर जाकर बच्चों और माताओं के पोषण की स्थिति निगरानी रखेगी तथा जरूरतमंद परिवारों को पोषण आहार, परामर्श और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।कलेक्टर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आदिकर्मयोगी अभियान के तहत इस अभियान की शुरूआत की गई है। पूर्व में भी अधिकारियों द्वारा कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उन्हें सुपोषण स्तर में लाने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

कच्चे गोदावरी माइंस विस्तार पर घमासान : सांसद और शिवसेना नेता ने तैयार किया जन-विरोध का 'रोडमैप'

- आदिवासी नेता कोमल हुपेंडी का गोदावरी माइंस पर बड़ा हमला

भानुप्रतापपुर। कच्चे गोदावरी माइंस के प्रस्तावित विस्तार को लेकर क्षेत्र की राजनीति गरमा गई है। माइंस प्रबंधन द्वारा खनन क्षेत्र को मौजूदा 138.96 हेक्टेयर से बढ़ाकर 200 हेक्टेयर करने के प्रस्ताव के विरोध में, स्थानीय सांसद भोजराज नाग और शिवसेना नेता चंद्रमौलि मिश्रा ने जनता के साथ मिलकर मोर्चा संभाल लिया है। यह विरोध 13 नवंबर को होने वाली जनसुनवाई पर केंद्रित है, जिसका बहिष्कार करने और उसे असफल बनाने के लिए रविवार को ग्राम पंचायत भैसाकन्हार में एक महत्वपूर्ण और विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। भैसाकन्हार की सभा में नेताओं और ग्रामीणों ने मिलकर 13 नवंबर की जनसुनवाई का पुरजोर विरोध करने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य माइंस के 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले समस्त प्रभावित गांवों को एकजुट कर शांतिपूर्ण और प्रभावी तरीके से अपना विरोध दर्ज कराना है। सांसद भोजराज नाग और नेता चंद्रमौलि मिश्रा ने विशेष रूप से ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि एकता ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को एक मंच पर आने का आह्वान किया।

विकास पर्यावरण की कीमत पर नहीं : सांसद नाग

सांसद भोजराज नाग ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि विकास आवश्यक है, लेकिन पर्यावरण और स्थानीय लोगों की आजीविका की कीमत पर नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि माइंस प्रबंधन ने पूर्व में भी पर्यावरण नियमों की अनदेखी की है, जिसके कारण ग्रामीणों के खेतों में गंदा पानी और मलबा आता रहा है। वहीं, शिवसेना नेता चंद्रमौलि मिश्रा ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ विस्तार की नहीं, बल्कि स्थानीय जनभावना और न्याय की है। उन्होंने कहा कि जब तक माइंस प्रबंधन ग्रामीणों की चिंताओं को पूरी तरह से सुनकर उनका समाधान नहीं करता, तब तक वे किसी भी कीमत पर विस्तार नहीं होने देंगे। ग्रामीणों ने कहा कि हम अब कंपनी के झूठे आश्वासनों पर भरोसा नहीं करेंगे। हमें न तो पर्याप्त मुआवजा मिला और न ही रोजगार। हमारे खेत बर्बाद हो रहे हैं। इस बार हम किसी भी कीमत पर विस्तार नहीं होने देंगे।

13 को होने वाले जनसुनवाई का प्रभवित ग्रामीण करेंगे विरोध : तैयार रोडमैप के अनुसार, 13 नवंबर को जनसुनवाई स्थल पर सभी प्रभावित गांवों के निवासियों को भारी संख्या में एकजुट करने की योजना है। यह जन एकजुटता कंपनी के प्रस्ताव के खिलाफ सबसे मजबूत और संगठित विरोध प्रदर्शन होगी। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि गोदावरी माइंस के लिए विस्तार का रास्ता आसान नहीं होगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का जनता के साथ खड़ा होना इस विरोध को एक महत्वपूर्ण मोड़ दे रहा है, जो क्षेत्र में पर्यावरण और औद्योगिक विकास के संतुलन को निर्धारित करेगा।

ग्रामीणों की प्रमुख चिंताएँ और विरोध के कारण - पर्यावरण प्रदूषण : धूल और जल प्रदूषण से कृषि भूमि और स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर। कृषि भूमि का नुकसानः उपजाऊ ज़मीन का खनन और मलबा डंपिंग के कारण अनुपयोगी होना। स्वास्थ्य समस्याएं: माइंस गतिविधियों के कारण बढ़ रहे श्वास संबंधी रोग। अपर्याप्त मुआवजा/रोजगारः पूर्व में प्रभावितों को पर्याप्त मुआवजा और स्थायी रोजगार न मिलना।

जनसुनवाई से पहले 5000 पेड़ काटे, पाँचवी अनुसूची का उल्लंघन - आदिवासी नेता और आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी ने गोदावरी माइंस पर गंभीर आरोप लगाते हुए जाँच की माँग की है। एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हुपेंडी ने दावा किया कि कंपनी ने जनसुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही 5000 से अधिक पेड़ कटवा दिए, जो पूरी तरह से अवैध है। हुपेंडी ने इस कृत्य को बस्तर संभाग में लागू कानूनों का खुला उल्लंघन बताया। आदिवासी नेता कोमल हुपेंडी ने कंपनी के खिलाफ आवाज़ उठाते हुए गंभीर टिप्पणियां कीं। उन्होंने आरोप लगाया कि गोदावरी माइंस ने खनन परियोजना के लिए पर्यावरण अनुमति प्राप्त करने हेतु होने वाली जनसुनवाई से पहले ही 5000 से अधिक पेड़ काटकर नियमों को ताक पर रख दिया है।

स्पोर्ट्स क्लब किरंदुल के पदाधिकारियों ने एएम एनएस इंडिया महाप्रबंधक से की मुलाकात

किरंदुल। छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर स्पोर्ट्स क्लब किरंदुल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एएमएनएस इंडिया कंपनी किरंदुल के महाप्रबंधक वाई वी राघवेलु से सौजन्य भेंट कर उन्हें राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं एवं क्लब, जो लगातार नगर के युवाओं को खेल क्षेत्र में प्रोत्साहित करने एवं अवसर प्रदान करने का कार्य कर रहा हैं उक्त विषय से अवगत कराया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष भूपेश्वर लाल साहू एवं सदस्यों ने कंपनी द्वारा अब तक खेल और सामाजिक गतिविधियों में दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में भी इस सहयोग को निरंतर बनाए रखने का आग्रह किया।जीएम राघवेलु ने क्लब के सदस्यों को आश्वासन दिया कि कंपनी नगर के सर्वांगीण विकास और खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए आगे भी हर संभव सहयोग करती रहेगी।

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स में किरंदुल के में जीता स्वर्ण पदक

किरंदुल। भिलाई में 01 नवंबर से 02 नवंबर तक डीएवी क्षेत्रीय नेशनल स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया था। जिसमें डीएवी पब्लिक स्कूल किरंदुल के 10 छात्र और 10 छात्राओं ने भाग लिया था।इस प्रतियोगिता में रितिका वेट्टी ने लम्बी कूद और 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया।दिप्ती सोनानी ने भाला फेंक में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।रिले में डिम्पल, वर्षा वेको, दिप्ती, खुशी ने रजत पदक प्राप्त किया। 4*100 रिले में रितिका वेट्टी, अपूर्वा,लक्षिता, अलीशा ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय को गौरांवित किया।बालक वर्ग में गोला फेंक में शानू भट्टाचार्य रजत पदक ,तवा फेंक में कांस्य पदक, और मयंक झाड़ी 1500 मीटर रेस में रजत पदक प्राप्त किया। 4*400 रिले में ताकेश, मयंक, सागर, शानू, दुष्यंत ने रजत पदक जीता। खेल शिक्षक मनोज सिंह, तृप्ति श्रीवास्तव और दिलहरन ने बच्चों की मेहनत को सराहा।स्कूल के प्राचार्य एस के श्रीवास्तव ने बच्चों को शुभकामनाएं दीं और नेशनल के लिए अच्छी तैयारी करने की सलाह दी।साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है इसलिए हर क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए स्कूल का नाम एवं किरंदुल सहित दंतेवाड़ा जिले का नाम रोशन करें।

विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में बीएलए और बीएलओ का प्रशिक्षण संपन्न

कोण्डागांव। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को सुचारू और त्रुटि रहित ढंग से संपन्न कराने हेतु कोण्डागांव विधानसभा एवं नारायणपुर विधानसभा (आंशिक) के अंतर्गत विभिन्न राजनैतिक दलों के बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं और बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। बीएलए और बीएलओ का यह एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद पंचायत कोंडागांव के सभाकक्ष में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसडीएम एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अजय उरांव द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन की प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही बीएलओ और बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं को फॉर्म भरने की सही प्रक्रिया, पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर तहसीलदार मनोज रावटे, डिप्टी कलेक्टर रश्मि पोया उपस्थित रहे।

शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीएससी के छात्र हीरामन मंडावी का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव की बी एस सी के छात्र हीरामन मंडावी का चयन छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय वालीबाल पुरुष प्रतियोगिता हेतु हुआ है। हीरामन उत्तर बस्तर सेक्टर की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह चयन ठाकुर भावसिंह कला और विज्ञान महाविद्यालय नरहरपुर (जिला उत्तर बस्तर कांकेर) में आयोजित सेक्टर स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 6 से 7 नवम्बर 2025 तक शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर में होगा, जिसमें कुल 11 सेक्टरों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता पूर्व खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण हेतु 3 से 5 नम्बर 2025 तक शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारीएच.आर. यदु ने बताया कि प्राचार्या डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से महाविद्यालय में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देशित सभी खेलों का नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। इसी सतत परिश्रम का परिणाम है कि छात्र-छात्राएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। हीरामन के इस चयन पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा आशा व्यक्त की कि वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेगा।

नारायणपुर जिला राज्योत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नारायणपुर जिले में रजत जयंती वर्ष राज्योत्सव एवं रजत महोत्सव 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। यह अवसर जिलेवासियों के लिए गर्व और आत्मगौरव का क्षण रहा, जब पूरा नगर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विकास यात्रा और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के उत्सव में सहभागी बना। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि इस वर्ष हम छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों के विकास, उपलब्धियों और आत्मनिर्भरता के त्यौहार का उत्सव मना रहे हैं। यह महोत्सव हमें हमारी पहचान, संस्कृति और जनसहभागिता की शक्ति का स्मरण कराता है। राज्योत्सव के अंतर्गत जिला स्तरीय आयोजन 2 नवंबर से 4 नवंबर तक जारी रहेगा। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए हैं, जिनमें राज्य की 25 वर्षों की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं की झलक और नवाचारों का प्रदर्शन किया गया है। स्टालों का निरीक्षण अतिथियों द्वारा किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों और प्रतिभागियों की सराहना की गई।सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, और आधुनिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी झलकियों और पारंपरिक लोकसंगीत ने राज्योत्सव को उल्लास और एकता के रंगों से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को प्रमाण पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन स्थल पर उत्साह और उमंग का माहौल रहा, वहीं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर राज्योत्सव के साक्षी बने। राज्योत्सव के इस रजत वर्ष ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि छत्तीसगढ़ केवल एक राज्य नहीं, बल्कि मेहनत, संस्कृति और विकास की जीवंत कहानी है। कार्यक्रम में पद्मश्री हेमचंद मांझी, छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, नगर पालिका के अध्यक्ष इन्द्रप्रसाद बघेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, जनपद पंचायत अध्यक्ष पिंकी उसेंडी, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक पटेल, आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. राजेंद्र सिंह, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता संजय के चौहान,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता एस.के.वर्मा, डिप्टी डायरेक्टर पंचायत यशपाल प्रेक्षा, जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्य, नगर पालिका के पार्षदगण बड़ी संख्या में आम नागरिक, पत्रकारगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर जनदर्शन में 22 लोगों ने प्रस्तुत किए आवेदन

गौरेला पेंड्रा मरवाही। साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में विभिन्न मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित 22 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी और उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदनों का अवलोकन कर शीघ्रता से निराकृत करने संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित किए। जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों में मुख्यत: मानदेय भुगतान, खाते से फर्जी रूप से राशि आहरण करने, प्रधानमंत्री आवास में स्वीकृत राशि किसी अन्य के खाते में जमा होने, धोखाधड़ी, पेंशन, आधार कार्ड में त्रुटि सुधार, स्पांसरशिप योजना का लाभ दिलाने, वित्तीय अनियमितता, बटवारा, सीमांकन आदि से संबंधित आवेदन शामिल है।

कार्यालय में अनुपस्थित पाए जाने पर कार्यक्रम अधिकारी और करारोपण अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय पेण्ड्रा का आकस्मिक निरीक्षण के दौरान कार्यालय में अनुपस्थित पाए जाने पर कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) श्री पवन द्विवेदी और करारोपण अधिकारी श्री कृपाल सिंह पैकरा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पेण्ड्रा द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि अनुपस्थित रहने के संबंध में आपके द्वारा किसी प्रकार की सूचना कार्यालय को नहीं दी गई थी। अत: स्पष्ट करें कि आप 03 नवम्बर 2025 को किस कारण से कार्यालय में अनुपस्थित रहे। अपना स्पष्टीकरण मेरे समक्ष स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। कारण संतोषप्रद नहीं होने की स्थिति में उक्त दिवस का वेतन अवैतनिक किया जाएगा, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में लंबित देयकों के भुगतान का अनुमोदन

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कलेश मंडावी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्षा में अयोजित जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में मिशन के तहत संचालित कार्यों के लिए कवरेज मद में 4 करोड़ 21 लाख 58 हजार रूपये और सपोर्ट मद में प्राप्त 42 लाख 50 हजार रूपये लंबित देयकों के भुगतान का अनुमोदन किया गया। समिति द्वारा जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण एवं जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए किराए पर वाहन रखने के लिए पुन: निविदा आमंत्रण करने और मिशन के तहत 53 अनुबंध कार्यों को पूर्ण करने के लिए 31 दिसंबर 2025 तक अतिरिक्त समय वृद्धि के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक में समिति के सदस्य मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुकेश रावटे सहित वन, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संसाधन, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर हुई सुनवाई, हाईकोर्ट ने ईडी को जारी किया नोटिस

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले में अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी. इससे पहले चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) को 10 दिन के भीतर काउंटर एफ्डिेविट (प्रति शपथ पत्र) दाखिल करने के निर्देश दिए थे। यह सुनवाई 31 अक्टूबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्य बागची की खंडपीठ में हुई थी।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने राज्योत्सव का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों में रचा विकास का मॉडल-तोखन साहू...

- विभागीय स्टॉल का किया अवलोकन
- स्कूली बच्चों और स्थानीय लोक कलाकारों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति

बिलासपुर। केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने पुलिस परेड मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने सभी विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया । कार्यक्रम में स्कूली बच्चों और लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि की आसंदी से केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और विकास का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने बताया कि राज्य देश का पहला था जिसने खाद्य सुरक्षा अधिनियम लागू कर गरीबों के घर राशन पहुँचाया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त राशन पहुँच रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रत्येक परिवार को 35 किलो चावल दिया जा रहा है। श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक 29 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत योजना से गरीबों और माताओं को स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा मिली। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाले स्वसहायता समूहों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपए सालाना दी जा रही है। और धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। आज किसानों के चेहरे पर मुस्कान देख हम समझते हैं कि हमारी नीतियाँ सही दिशा में

हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं के माध्यम से हर गांव मुख्य शहरों से जुड़ चुका है। टू-लेन, फोर-लेन, सिक्स-लेन और एट-लेन सड़कों का निर्माण राज्य में जारी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने 25 वर्षों में भूख, गरीबी और पिछड़ेपन को पीछे छोड़ आत्मनिर्भरता, विकास और सामाजिक न्याय की नई पहचान बनाई है। आने वाले समय में इसे और अधिक सशक्त, समृद्ध और अग्रणी बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्थानीय विधायक श्री अमर अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि जनभावनाओं और सपनों की पूर्ति था। 25 वर्षों में यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसे क्षेत्रों में अद्वितीय प्रगति कर चुका है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच ने छत्तीसगढ़ को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि जब छत्तीसगढ़ राज्य बना, तब हमारे सामने अनेक चुनौतियाँ थीं — शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, राजस्व की कमी और सड़कों की दुर्गति जैसी समस्याएँ विरासत में मिलीं। लेकिन आज छत्तीसगढ़ ने इन चुनौतियों को अवसर में बदला है। उन्होंने कहा कहा कि आज राज्य ने शिक्षा, सिंचाई, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और रोजगार के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी पहलों से हर गरीब का सपना — अपना घर साकार हुआ है। आज छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण और विकास का प्रतीक बन चुका है। हमने जो छत्तीसगढ़ विरासत में पाया था, वह संघर्षों से भरा था; पर आज जो छत्तीसगढ़ हमने बनाया है, वह संभावनाओं और गर्व से भरा है।

बालक स्कूल रामानुजनगर के विज्ञान मॉडल राज्य उत्सव में बना आकर्षण का केंद्र

रामानुजनगर। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष पर सूरजपुर जिला मुख्यालय के अग्रसेन स्टेडियम में तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्य उत्सव कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के स्टॉल में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विद्यार्थियों द्वारा अलग-अलग विधाओं से संबंधित चार जीवंत मॉडल का प्रस्तुतीकरण किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के

रचनात्मकता, मेहनत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्रशंसा एवं सराहना जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के द्वारा किया जा रहा है। विद्यार्थी नवल साय (कक्षा 10 वीं) ने मूंगफली फोड़ने वाले उपकरण का निर्माण किया है जो कम से कम समय में अधिक से अधिक मूंगफली के दोनों को उनके छिलकों से अलग करता है। दिनेश साहू (कक्षा 9 वीं) ने ग्रामीण क्षेत्रों में मक्के छीलने की समस्या को देखकर मक्का छीलने वाले उपकरण का निर्माण किया है।अविनाश सिंह (कक्षा 12 वीं) ने बिना बिजली से चलने वाले लकड़ी से बने ट्रेडमिल का निर्माण किया है। जिसका निर्माण कर आम आदमी भी बिना बिजली के कम खर्चे में स्वास्थ्य लाभ ले सकता है। वहीं जावेद रजा अंसारी (कक्षा- 12 वीं) ने धार्मिक स्थलों, विभिन्न प्रकार के समारोह और घरों में नारियल फोड़ने की समस्या को देखते हुए कम समय में अधिक से अधिक नारियल फोड़ने वाले उपकरण का निर्माण किया है। जिसका निरीक्षण कर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज,प्रेम नगर के क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी एवं जिले के उच्च अधिकारियों व कर्मचारियों इसके अलावा आम जनता द्वारा छात्रों को उनकी कड़ी मेहनत,समर्पण एवं विज्ञान को रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दे रहे हैं।

हाथियों के दल से सहमा क्षेत्र,किसानों की फसल रौंदी,ग्रामीणों में दहशत.....

सूरजपुर/संवाददाता। ग्राम पंचायत शिवनगर से सलका वृन्दावन मार्ग होते हुए माहदेवपारा के पास एक बार फिर 11 हाथियों का दल विचरण करते देखा गया। मंगलवार को ग्रामीण पंच राम (निवासी सलका) जब पगडंडी रास्ते से गुजर रहे थे, तभी नर्सरी के पास हाथियों से आमना-सामना हो गया। भयभीत ग्रामीण बाइक छोड़कर भाग निकला, जबकि हाथियों ने बाइक को कुचल कर नुकसान पहुंचाया। हाथियों के सड़क पर पहुंचने से नेशनल हाईवे करीब 45 मिनट तक बाधित रहा। ट्रक और अन्य वाहन फंसे रहे। सूचना मिलने पर वन विभाग, हाथी मित्र दल और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहनों को रोकते हुए हाथियों को सुरक्षित सड़क पार कराया। ग्रामीणों के अनुसार, बीते दो माह से यह दल शिवनगर, सलका और

आसपास के गांवों में लगातार घूम रहा है। हाथियों ने कई किसानों के धान के खेतों को पूरी तरह रौंद दिया है। पकी हुई फसल खाकर और कुचलकर उन्होंने किसानों की सालभर की मेहनत को नष्ट कर दिया है। किसानों का कहना है कि यह उनकी जीवन-भर की पूंजी थी, जो अब मिट्टी में मिल गई। रात के समय ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांवों में हर रात डर का साया बना रहता है। लोग बारी-बारी से जागकर पहरा दे रहे हैं ताकि हाथियों से किसी तरह अपनी जान और बची-खुची फसल की रक्षा कर सकें। बच्चे और महिलाएं तक भय में जीने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समस्या केवल गांवों तक सीमित नहीं है। हसदेव अरण्य क्षेत्र में लगातार खनन गतिविधियाँ — विशेष रूप से परसा और बासेन खदानों का विस्तार — हाथियों के प्राकृतिक रास्तों को नष्ट कर रही हैं। पेड़ कट रहे हैं।

बिलासपुर में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान सोमवार 4 नवंबर से शुरू हो गया है। यह अभियान एक महीने तक, 4 दिसंबर 2025 तक चलेगा। इस दौरान जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची को अपडेट और त्रुटि रहित बनाने का कार्य किया जाएगा। प्रशासन ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। जिलेभर में करीब 3800 अधिकारी-कर्मचारी इस अभियान में जुटे हैं। अभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क करेंगे और मतदाता सूची से जुड़ी जानकारियों को अद्यतन करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आम जनता से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है। छह विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ शुरू हुआ अभियान बिलासपुर जिले के छह विधानसभा क्षेत्र कोटा, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा और मस्तुरी में यह विशेष पुनरीक्षण अभियान एक साथ शुरू किया गया है। जिला प्रशासन ने सभी क्षेत्रों में बीएलओ की नियुक्ति कर दी है, जो अपने-अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदाता सूची की जांच करेंगे। कुल 1815 मतदान केंद्रों को आधार बनाकर यह कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक बूथ लेवल ऑफिसर को अपने मतदान क्षेत्र के घरों में जाकर मतदाताओं से मिलना, गणना प्रपत्र भरवाना और मतदाता सूची में नाम, पता एवं आयु संबंधी विवरणों की जांच करने की जिम्मेदारी दी गई है।

राज्य निर्माण के 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को सहेजती जनसंपर्क विभाग की फोटो प्रदर्शनी

- जनसंपर्क स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र, बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोग

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025 में जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया है। इस स्टॉल में विभाग की ओर से लगाई गई भव्य फोटो प्रदर्शनी में राज्य निर्माण के पिछले 25 वर्षों की विकास यात्रा को सुंदर, जीवंत और प्रेरक छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। यह प्रदर्शनी छत्तीसगढ़ की प्रगति, जनता की भागीदारी और शासन की

जनकल्याणकारी योजनाओं की झलक पेश करती है। इस आकर्षक प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की बिलासपुर यात्रा, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा जिले को दी गई विविध सौगातें, महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाओं की प्रसन्नता, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने घरों की झलक, न्योता भोज, सरस्वती साइकिल योजना, एक पेड़ माँ के नाम, अटल डिजिटल केंद्र, कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत एकमुश्त बोनस भुगतान, राम लला दर्शन योजना, और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसे कार्यक्रमों को आकर्षक छवियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का एक विशेष आकर्षण है — देश के शीर्ष नेताओं एवं छत्तीसगढ़ के जनप्रतिनिधियों के दुर्लभ ऐतिहासिक छायाचित्र। इसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह तथा बिलासपुर के पूर्व सांसद स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी की यादगार तस्वीरें शामिल हैं, जो दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही हैं। स्टॉल पर छत्तीसगढ़ शासन जनसंपर्क विभाग की मासिक पत्रिका जनमन, प्रचार सामग्री, पुस्तिकाएँ और अन्य जानकारीपरक प्रकाशन भी नि:शुल्क वितरित किए जा रहे हैं। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य आम नागरिकों को राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और विकास के विभिन्न आयामों से रूबरू कराना है। आगंतुकों श्री प्रेम बंजारे, ममिता सिंह, दीपांश, सतीश बरेठ और आशुतोष शर्मा ने ने जनसंपर्क विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल सूचनात्मक है, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विकास गाथा को सजीव रूप में प्रस्तुत करती है।

जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025.....लोक रंग और संस्कृति से सजी अविस्मरणीय सांस्कृतिक संध्या

- कलाकारों की शानदार प्रस्तुति से भावविभोर हुए दर्शक
- जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने की शिरकत

बिलासपुर। जिला स्तरीय राज्योत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दूसरे दिन की रंगारंग शाम ने बिलासपुरवासियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। परंपरा और आधुनिकता के संगम से सजी इस संध्या में जहां छत्तीसगढ़ी लोक कला की सुगंध बिखरी, वहीं नयी पीढ़ी के हुनर और बॉलीवुड संगीत ने कार्यक्रम को ऊर्जा से भर दिया। शाम 5 बजे शुरू हुए इस समारोह ने रात होते-होते उत्साह और उमंग की नई ऊंचाइयों को छू लिया, दर्शकों ने कार्यक्रमों को खूब सराहा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की शुरुआत जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं की मनोहारी प्रस्तुतियों से हुई। बच्चों ने देशभक्ति, लोकगीतों और सांस्कृतिक थीम पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। सेजस मंगला, तारबहार, लिंगियाडीह , केपीएस,डीपीएस स्कूल, लोयला स्कूल, पंथी शासकीय स्कूल, बकरकुदा स्कूल, संदीपनी स्कूल, बालक स्कूल सरकंडा, सहित अन्य स्कूलों के बच्चों की नृत्य-गीत की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। आर्या शर्मा ने एक नृत्य प्रस्तुति दी। बच्चों की प्रस्तुति से तालियों

की गड़गड़ाहट से वातावरण गुंजायमान हो उठा। पारंपरिक परिधानों में सजे नन्हे कलाकारों के उत्साह और उत्कृष्ट प्रदर्शन ने कार्यक्रम को खास बना दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुति का आनन्द लिया उन्होंने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्योत्सव हमारे 25 वर्षों की गौरव यात्रा का प्रतीक है जिसे हम रजत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत के सदस्यगण भी मौजूद रहे। लोक कला के मुख्य आकर्षण के रूप में सुप्रसिद्ध कलाकार दिनेश गुप्ता ने पंडवानी गायन प्रस्तुत किया। महाभारत कथा के प्रसंगों और छत्तीसगढ़ी बोली की मिठास के साथ उनका गायन दर्शकों के मन में उतर गया। पारंपरिक वाद्यों की संगत और भावपूर्ण अभिनय ने पंडवानी की ऐतिहासिक विरासत को मंच पर पुनर्जीवित किया। लोकसंस्कृति के एक और शानदार स्वरूप में अनिल गढेवाल ने गेंड़ी नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। संतुलन, ताल और पारंपरिक संगीत के संगम से सजे इस प्रदर्शन ने दर्शकों को छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल की झलक दिखा दी। युवा दर्शक कलाकारों के कौशल की तारीफ करते नहीं थके।वासंती वैष्णव की कत्थक नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। प्रख्यात लोकगायिका किरण शर्मा ने छत्तीसगढ़ी लोकधुनों पर गीत प्रस्तुत किए। उनके गायन ने श्रोताओं को गांवों की गलियों, खेत-खार और लोक परंपराओं की मीठी यादों में पहुंचा दिया।

दक्षता और गति का प्रतीक बना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने एक बार फिर दक्षता और गति का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान केवल 216 दिनों में 150 मिलियन टन माल लदान का कीर्तिमान बनाकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने अपनी उत्कृष्ट कार्यक्षमता का परिचय दिया है। पिछले चार वर्षों के दौरान, वर्ष 2022-23 में जहाँ 150 मिलियन टन माल लोडिंग का आँकड़ा 265 दिनों में पूरा हुआ था, वहीं 2023-24 में यह उपलब्धि 244 दिनों में, 2024-25 में 226 दिनों में, और अब वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में केवल 216 दिनों में हासिल की गई है, जो कि माल लदान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अब तक का सर्वाधिक तेज़ प्रदर्शन है। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे के समग्र विकास में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। यह सफलता कोयला, इस्पात, सीमेंट, खाद्यान्न और खनिज पदार्थों जैसे प्रमुख औद्योगिक व ऊर्जा संसाधनों की समयबद्ध और सतत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए प्राप्त की गई है। साथ ही, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे देश के विभिन्न तापघरों, इस्पात संयंत्रों एवं कारखानों को कोयला और अयस्क की निरंतर आपूर्ति कर देश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान कर रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत तीनों रेल मंडलों बिलासपुर, रायपुर और नागपुर ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

देव दिवाली पर करें भगवान शिवजी की पूजा

देव दिवाली, जिसे देव दीपावली भी कहा जाता है, कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। माना जाता है कि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक राक्षस का वध किया था। इस विजय के उपलक्ष्य में सभी देवी-देवताओं ने शिवजी की आराधना की थी। तभी से यह पर्व देवताओं की दिवाली यानी देव दिवाली के रूप में मनाया जाता है। जो व्यक्ति इस दिन श्रद्धा से पूजा करता है, उसके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है।

देव दिवाली 2025 की तारीख और मुहूर्त

इस साल देव दिवाली 5 नवंबर 2025 (बुधवार) को मनाई जाएगी.
कार्तिक पूर्णिमा की शुरुआत : 4 नवंबर रात 10 :36 बजे
समापन : 5 नवंबर शाम 6 :48 बजे
ब्रह्म मुहूर्त : सुबह 04 :52 से 05 :44 बजे तक
विजय मुहूर्त : दोपहर 01 :54 से 02 :38 बजे तक
गोधूलि मुहूर्त : शाम 05 :33 से 05 :59 बजे तक
प्रदोषकाल दीपदान मुहूर्त : शाम 05 :15 से 07 :50 बजे तक
इन मुहूर्तों में पूजा और दीपदान करना विशेष फलदायी माना गया है।

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और सूर्य देव को जल अर्पित करें। इसके बाद प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा करें। पूजा के लिए चौकी पर साफ कपड़ा बिछाएं और शिवजी की प्रतिमा या शिवलिंग स्थापित करें। फिर देसी घी का दीपक जलाएं और भोलेनाथ को फूलों की माला, दूध, शहद, घी, दही और पंचामृत अर्पित करें। इसके बाद शिव चालीसा और मंत्रों का जाप करें। पूजा के अंत में भगवान शिव को फल और मिठाई का भोग लगाकर परिवार की सुख-शांति की प्रार्थना करें। देव दिवाली के दिन गंगा या किसी पवित्र नदी के किनारे दीपदान करना बहुत शुभ माना गया है। जो व्यक्ति इस दिन दीपदान करता है, उसके जीवन से दुख दूर होते हैं। दान-पुण्य करना भी बहुत फलदायी होता है। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र या दीपदान अवश्य करें।

रोज घर में कपूर के ये उपाय दिलाएंगे लाभ

कपूर का वास्तुशास्त्र में खास महत्व है। कपूर को जलाने से एक तरफ घर में वास्तु दोष दूर होता है, वहीं इसके कई उपाय आपको आर्थिक तौर पर भी लाभ करा सकते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कपूर के कुछ उपाय जिससे आप अपने घर में बहुत लाभ पा सकते हैं।

घर का वास्तु दोष भी होगा दूर

आपको बता दें कि अगर आप घर में शाम के समय दक्षिण पूर्व दिशा में कपूर क्रिस्टल जलाते हैं, तो आपको समृद्धि आपके घर आती है। वास्तु के हिसाब से अगर आपके घर में सीढ़िया सही नहीं है, तो आपको वास्तु दोष की दिक्कत झेलनी पड़ सकती है। अगर आप घी में कपूर को डूबोकर जलाएंगे, तो घर से ये वास्तु दोष दूर होगा। अगर आपके घर में आर्थिक दिक्कतें हैं, तो आपको दो लौंग और दो कपूर में डालकर जला दें और पूरे घर में इसका धुंआ दें। इससे आपके घर में नेगेटिविटी दूर होती है। घर से नेगेटिविटी जाने पर ही आपके घर में मां लक्ष्मी का स्थायी वास होगा। पितृ दोष को कम करने के लिए गाय के घी में भिगोया हुआ कपूर घर में तीनों समय जलाना शुभ फल देता है। घर में कलह कम करने के लिए रात को रसोई में चांदी की कटोरी में कपूर एवं लौंग जलाना शुभ फल देता है। शौचालय गलत दिशा में बना हो तो वहां कपूर की पांच-पांच टिकिया रख देना अच्छा होता है। बेडरूम में सिरहाने पर कपूर रखकर सोने से नींद अच्छी आती है। पूजा घर में दोनों समय कपूर जलाने से सकारात्मकता बढ़ती है। घर में बेडरूम में या फिर घर के आंगन में तांबे के बर्तन में कपूर रखें। ऐसा करने से घर में परिवार के सदस्यों के बीच रिश्ते इंप्रूव होते हैं। घर में कपूर रखने से परिवार के लोगों के बीच समन्वय रहता है।

आई मेकअप के लिए ब्रश की नहीं पड़ेगी जरूरत

ट्राई करें ये स्मार्ट हैक्स

आई मेकअप करने के लिए ब्रश सबसे जरूरी होता है। लेकिन ज्यादातर आईशैडो वगैरह के साथ मिलने वाले ब्रश ठीक तरीके से काम नहीं करते। ऐसे में मार्केट से ब्रश खरीदने पड़ते हैं। लेकिन जब एक या दो बार ही मेकअप करना हो तो कोस्टली ब्रश खरीदना मुश्किल लगता है। ऐसे में ये हैक आपके आई मेकअप को आसान बना सकते हैं और ब्रश की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। बिना ब्रश के भी परफेक्ट तरीके से आई मेकअप किया जा सकता है। बस इन चीजों की जरूरत पड़ेगी

टेप

सबसे पहले आंखों के कॉर्नर पर टेप लगा लें। जिससे आपका आई मेकअप बिल्कुल परफेक्ट शेप और साइज में लगे और किसी भी तरह की गड़बड़ ना हो।

कॉटन का टुकड़ा

अब कॉटन के छोटे टुकड़े को लें और आई मेकअप का बेस लगाएं। अगर आप दो से तीन कलर मिक्स करके बेस लगा रही हैं तो इसके लिए दो से तीन टुकड़े कॉटन की ही जरूरत होगी और महंगे ब्रश का खर्चा बच जाएगा।

कॉटन बड्स की लें मदद

आईशैडो लगाने के बाद विंग्ड आईलाइनर ब्राउन शैडो से लगाने का मन है तो बस ईयर बड्स को लेकर हल्के हाथों से आईज के कॉर्नर पर विंग लगाएं।

उंगलियों की पोर से लगाएं

इसके बाद उंगलियों की पोर पर हल्का सा ग्लिटर या शिमर लेकर आंखों के ऊपर लगाकर दूसरी उंगली की मदद से रब करें। इससे आईशैडो परफेक्ट तरीके से ब्लेंड हो जाएगा और एक दूसरे का कलर चढ़ने का डर भी नहीं होगा। आप अपनी चारों उंगलियों का इस्तेमाल आसानी से कर सकती हैं।

बस सबसे आखिर में साइड में लगे टेप को निकालकर बाहर कर दें। टेप लगाने से विंग बिल्कुल डिफाइन तरीके से लग पाता है और आई को अट्रैक्टिव लुक देता है।

खाली पेट चना खाने से होते हैं ये चमत्कारिक फायदे

चना और किशमिश काफी लाभकारी माने जाते हैं। खासकर भुना चना सेहत के लिए चमत्कारिक माना जाता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। खाली पेट इन्हें खाने से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। खाली पेट चना और किशमिश का सेवन सेहत के लिए बेहद लाभकारी हो सकता है। यह न केवल शरीर को पोषण देता है, बल्कि कई बीमारियों से बचाने में भी सहायक है। अगर आप अपने दिन की शुरुआत एक हेल्दी और एनर्जेटिक तरीके से करना चाहते हैं, तो इस सरल उपाय को अपनाएं। आइए इनके फायदों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

भुना चना खाने के फायदे

चना प्रोटीन, फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। चने में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। खाली पेट चना खाने से दिनभर एनर्जी बनी रहती है। चना धीमे पचने वाला कार्बोहाइड्रेट है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है। यह पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे अनावश्यक स्नैकिंग की आदत कम होती है। चने में कैल्शियम और फॉस्फोरस होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं।

चना और किशमिश को साथ खाने के फायदे

डिटॉक्सिफिकेशन :
यह शरीर को टॉक्सिन्स फ्री करता है।

पोषण का बढ़िया स्रोत :
प्रोटीन और विटामिन का संतुलन शरीर की समग्र सेहत के लिए अच्छा होता है।

थकान दूर करना :
सुबह-सुबह यह कॉम्बिनेशन शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है।

हॉर्मोन संतुलन :
शमिश और चने के नियमित सेवन से महिलाओं में हॉर्मोनल बैलेंस बेहतर होता है।

बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद :
इसमें मौजूद मिनरल्स बालों को मजबूत बनाते हैं और त्वचा में निखार लाते हैं।

कैसे करें सेवन?

रातभर 7-8 चने और 8-10 किशमिश पानी में भिगोकर रखें। सुबह खाली पेट इन्हें खा लें। नियमित सेवन से कुछ ही दिनों में इसके सकारात्मक प्रभाव दिखने लगेंगे। सावधानियां :अगर आपको किसी प्रकार की एलर्जी है, तो इसे खाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। मात्रा का ध्यान रखें, ज्यादा सेवन से पेट में गैस या अपच हो सकती है।

जानिए किन विटामिन्स की कमी से झड़ते हैं बाल

पुरुष हो या महिला, बाल झड़ने की समस्या से हर कोई परेशान है। बाल झड़ने और उनके डैमेज होने के कई कारण हो सकते हैं। लोग हेयर फॉल रोकने के लिए क्या कुछ नहीं करते। कोई तेल लगाता है तो कोई दवाएं खाता है; पर हेयर एक्सपर्ट कहते हैं कि बालों को ठीक करने के लिए उनको अंदर व बाहर से पोषण देना बहुत जरूरी है। इसलिए यह जानना आवश्यक है कि किन विटामिन्स की कमी से बाल झड़ने शुरू होते हैं।।।

बालों के लिए जरूरी विटामिन्स

विटामिन डी- विटामिन डी की कमी से शरीर में कैल्शियम कम होने लगता है। कैल्शियम और फॉस्फेट बनने में कमी हो तो बालों के विकास में बाधा आ जाती है। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं। इसके लिए सुबह की धूप में बैठें।

विटामिन ए- विटामिन ए सीबम का उत्पादन करने में मददगार होता है। अगर शरीर में इसका उत्पादन ना हो या बाधित हो तो स्कैल्प में रूखापन आ जाता है। इसके लिए गाजर, पालक, ब्रोकोली, शकरकंद, अंडे, डेयरी उत्पादों का सेवन कर सकते हैं।

बी कॉम्प्लेक्स- ये विटामिन अमीनो एसिड बनाता है। रेड ब्लड सेल्स के उत्पादन में भी योगदान करता है। इसकी कमी हो तो बाल खराब होने लगते हैं। इसके लिए डाइट में दूध, केले, दही, ड्राई फ्रूट्स, अंडे आदि शामिल करें।

विटामिन सी- स्किन और बालों पर विटामिन सी का बहुत असर होता है। विटामिन सी की कमी हो तो स्किन से चमक चली जाती है और बाल बेजान होने लगते हैं। इसके लिए नींबू, कीवी, संतरा आदि को डाइट में शामिल करें।

विटामिन बी12- शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो बाल झड़ने लगते हैं। इसके लिए दूध व दूध से बने उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

विटामिन बी9- इसे बायोटिन के नाम से भी जाना जाता है। विटामिन बी9 की कमी हो तो बाल न केवल झड़ने लगते हैं बल्कि असमय सफेद भी हो जाते हैं। इसके लिए पालक, अंडा, रेड मीट, मछली आदि का सेवन करें।

विटामिन ई - विटामिन ई में प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। इसकी कमी होने से बाल झड़ने, स्कैल्प डैमेज होने की समस्या शुरू हो जाती है। इसकी कमी पूरी करने के लिए बादाम, सूरजमुखी के बीज, मूंगफली आदि का सेवन करना चाहिए।

विटामिन बी7- इस विटामिन मानव शरीर में केराटिन बनाने के लिए अहम घटक माना जाता है। केराटिन बालों की सेहत के लिए अहम होता है। इसके लिए अंडे, बादाम, दूध, शकरकंद आदि का सेवन करें। केराटिन एक प्रोटीन है, जिसकी हमारे बालों, त्वचा, नाखूनों को जरूरत होती है। हालांकि पार्लर में जो केराटिन ट्रीटमेंट करवाया जाता है वो केमिकल युक्त होता है। इसलिए केराटिन को प्राकृतिक तौर पर शरीर में उत्पादन हो तभी इसका फायदा पहुंचता है।

बच्चे के हैं फ्लैट फुट तो रोजाना कराएं ये दो योगासन

पैरों का शेप हो जाएगा चेंज

काफी सारे बच्चों के पैर तलवों से चिपटे हुए होते हैं। जिन्हें फ्लैट फुट कहते हैं। सामान्य तौर पर पैर के तलवों का आकार हल्का सा घुमाव लिए होता है। जिसकी वजह से जब हम जमीन पर पैर रखते हैं तो तलवे का बीच का थोड़ा सा हिस्सा जमीन टच नहीं करता। लेकिन कुछ लोगों के तलवे पूरी तरह से जमीन छूते हैं। इस बनावट के तलवों को फ्लैट फुट कहते हैं। बच्चे के अगर फ्लैट फुट हैं तो उन्हें फ्यूचर में कुछ फिजिकल प्रॉब्लम का सामना कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि बचपन से ही इन फ्लैट फुट को आर्क शेप का बनाने की कोशिश की जाए। ये दो योगासन तलवों में आर्क बनाने में मदद करते हैं। जन्म के समय बच्चों के पैर बिल्कुल सपाट होते हैं जो उम्र के साथ धीरे-धीरे आर्क डेवलप कर लेते हैं। लेकिन कुछ बच्चों में 7-8 साल के बाद भी आर्क डेवलप नहीं होता तो उन्हें फ्लैट फुट की प्रॉब्लम हो सकती है। वहीं उम्र बढ़ने के साथ ही कुछ लोगों के पैर का घुमाव खत्म हो जाता है। जिससे फ्लैट फुट की प्रॉब्लम होने लगती है।

फ्लैट फुट से किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है

जिन बच्चों के सपाट पैर होते हैं तो उन्हें चलने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। बड़े होने के साथ फ्लैट फुट वाले बच्चों को घुटने और कूल्हे में दर्द होने की संभावना ज्यादा रहती है। फ्लैट फुट की वजह से पैरों में दर्द होना काफी कॉमन है। फ्लैट फुट की वजह से कमर में भी दर्द रहने लगता है।

बच्चों को कराएं ये दो योगासन

जिन बच्चों में फ्लैट फुट की समस्या है उन्हें ये दो योगासन का अभ्यास रोजाना कराने से फ्लैट पैरों को सही आर्क मिलने में मदद मिलती है।

वज्रासन :- वज्रासन की क्रिया रोजाना कराने से बच्चों के तलवों में फ्लैक्सिबिलिटी आती है और आर्क बनना शुरू हो जाता है। सबसे पहले घुटने के बल पैरों को मोड़ें और तलवों को बिल्कुल सीधा करके रखने को बोले, जिसमें उंगलियां बाहर की तरफ मुड़ी हो। एड़ी पर हिप टिकाकर बैठें। खेल-खेल में रोजाना इस क्रिया को करने से फ्लैट फुट की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।

सुप्त वीरासन :- सुप्त वीरासन की क्रिया में घुटनों के पैर को मोड़े और बैठे। इस दौरान तलवे बिल्कुल पीछे हिप के बगल में हों। साथ ही शरीर को सीधा जमीन पर टिकाएं। इन दो योगासन को करने से सपाट पैरों की समस्या को कम होने में मदद मिलती है।

पालक के साथ भूलकर भी ना खाएं ये चीजें

जब भी हरी सब्जियों का जिक्र होता है पालक का नाम सबसे पहले लिया जाता है. पालक एक हरी पत्तेदार सब्जी है जो सेहत के गुणों से भरपूर है. पालक का वैज्ञानिक नाम स्पिनासिया ओलेरेसिया है. भारत में बड़े पैमाने पर पालक का प्रयोग किया जाता है. पालक को डाइट में कई तरह से शामिल किया जा सकता है. आपको बता दें कि पालक में कैल्शियम, सोडियम, क्लोरीन, फॉस्फोरस, आयरन, प्रोटीन, आयरन, विटामिन ए और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई लाभ पहुंचाने में मददगार है. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि कुछ चीजें ऐसी हैं जिनको पालक के साथ नहीं खाना चाहिए. जी हां आयुर्वेद के अनुसार पालक के साथ इन चीजों को नहीं खाना चाहिए. तो चलिए जानते हैं उन फूड्स के नाम।

पालक के साथ क्या नहीं खाएं-

1. कॉफी चाय- पालक के साथ चाय और कॉफी का सेवन करने से बचना चाहिए। क्योंकि चाय में मौजूद पॉलीफेनॉल और टैनिन्स आयरन के अवशोषण को बाधित कर सकते हैं।

2. खट्टे-फल-खट्टे-फलों को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि इनमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो इम्यूनिटी को बढ़ाने में मददगार हैं। लेकिन पालक के साथ खट्टे-फलों को खाने से बचना चाहिए।

3. मछली- पालक के साथ मछली का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं, तो आपको कई समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

4. तिल- तिल के बीजों का सेवन कई तरह से किया जाता है। लेकिन पालक के साथ इनका सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप इनका साथ में सेवन करते हैं तो आपको पाचन संबंधी समस्या परेशान कर सकती है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से जिला अस्पताल ने रचा नया इतिहास

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के सतत संवेदनशील प्रयासों से जिला अस्पताल कवर्धा ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। अक्टूबर माह में अस्पताल में कुल 410 प्रसव संपन्न कराए गए, जिनमें 263 सामान्य प्रसव और 147 सर्जिकल डिलीवरी शामिल हैं। यह अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है, जिसने जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। इसके साथ ही, इसी अवधि में 30 हजार 888 लोगों की रक्त जांच (ब्लड टेस्ट) की गई, जो स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और जनविश्वास में आई वृद्धि को दर्शाता है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा स्टाफ की मेहनत का परिणाम है, जो उपमुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन और सक्रिय सहयोग से संभव हो पाई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने, चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की संख्या बढ़ाने तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाने के लिए निरंतर पहल की है। उनके निर्देश पर अस्पताल की सुविधाएँ न केवल बेहतर हुई हैं, बल्कि आम नागरिकों का भरोसा भी बढ़ा है। जिला अस्पताल में इस ऐतिहासिक सफलता ने यह प्रमाणित किया है कि यदि समर्पित नेतृत्व और सतत मॉनिटरिंग से आमजन तक उत्कृष्ट सेवाएँ सुलभ की जा सकती है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को अब बेहतर, त्वरित और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए नई मशीनें, अत्याधुनिक उपकरण और नवीन चिकित्सा सुविधाएँ जोड़ी जाएँगी। हमारा लक्ष्य है कि कबीरधाम जिला अस्पताल न केवल प्रदेश में बल्कि देश में भी एक 'मॉडल अस्पताल' के रूप में अपनी पहचान बनाए। उन्होंने बताया कि इसके लिए चिकित्सा अधोसंरचना का विस्तार, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता, और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य इकाइयों के उन्नयन की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। शर्मा ने यह भी कहा कि जिला अस्पताल में संसाधनों की कमी नहीं होने दी जाएगी। सरकार का प्रयास है कि हर मरीज को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सुविधा मिले। उन्होंने चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह सफलता समर्पण, टीमवर्क और जनसेवा की भावना का परिणाम है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिला अस्पताल में ओपीडी 15864, आईपीडी 1265, डिलीवरी 410, नॉर्मल डिलीवरी 263, एलएससीएस 147, एक्सरे 1268, सीटी 210,एएनसी 1393 दंत रोग विशेषज्ञ द्वारा 488, 1748 बच्चों से संबंधित मरीज ओपीडी, 72 मरीज का मोतियाबिंद, हड्डी रोग के 1300, आंख से संबंधित 872 मरीज का इलाज और जांच किया गया। इसके साथ ही आपातकालीन में 1628 मरीज देखा गया।

एसडीएम राजहरा आईओसिएल प्लांट में कार्यरत ठेका श्रमिकों के हितार्थ एक ज्ञापन सौंपा

दल्लीराजहरा। खदान मजदूर संघ भिलाई संबंद्ध भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि एसडीएम राजहरा सुरेश कुमार साहू और मार्केटिंग मैनेजर आईओसिएल को आईओसिएल प्लांट में कार्यरत ठेका श्रमिकों के हितार्थ एक ज्ञापन सौंपा और इस पर त्वरित कार्यवाही की मांग किया। मुश्ताक अहमद ने आगे बताया कि आईओसिएल प्लांट में कंपनी द्वारा तीन ठेके संचालित किए जा रहे हैं मगर एक भी ठेके में श्रमिकों को ठेके के नियम शर्तों के अनुसार भुगतान नहीं किया जा रहा है और कंपनी द्वारा नियुक्त मार्केटिंग मैनेजर द्वारा इस पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं किया जा रहा है जो बहुत ही दूर्भाग्यपूर्ण है। मुश्ताक अहमद ने आगे बताया कि आईओसिएल प्लांट में कार्यरत श्रमिकगण औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के तहत अनुशासित होते हैं और सभी ठेका श्रमिक केन्द्र सरकार द्वारा तय एवं अधिसूचित वेतनमान के हकदार होते हैं। केन्द्र सरकार द्वारा तय वेतनमान में यह स्पष्ट उल्लेखित है कि बोलोरो ड्राइवर कुशल कामगार के श्रेणी में आते हैं मगर यहां बोलोरो ड्राइवर को कुशल श्रेणी का वेतन नहीं दिया जाता है और केन्द्र सरकार द्वारा प्रकाशित असाधारण गजट यह भी उल्लेखित है कि एचईएमई आपरेटर एवं सुपरवाइजर अतिकुशल के श्रेणी में आते हैं। मगर आईओसिएल प्लांट में इन्हे अति कुशल श्रेणी कामगार का भुगतान नहीं किया जाता है जो मार्केटिंग मैनेजर द्वारा श्रमिकों का शोषण है, संघ की मांग है कि आईओसिएल कंपनी में कार्यरत आपरेटर एवं सुपरवाइजर को अति कुशल श्रेणी का भुगतान किया जावें एवं साथ ही बोलेरो ड्राइवर को कुशल श्रेणी का भुगतान किया जावें। साथ ही पीड़ित श्रमिकों को अबतक किए गए कम भुगतान एवं वास्तविक भुगतान राशि की अंतर राशि का एरियर्स भुगतान भी सुनिश्चित किया जाए। संघ के अध्यक्ष ने आगे बताया कि जब से राजहरा में आईओसिएल प्लांट चालू हुआ है ।
श्रमिकों की पदोन्नति नहीं की गई है इसलिए श्रमिकों को वरिष्ठता के हिसाब से पदोन्नति किया

राज्योत्सव में डी.ए.वी. स्कूल जांता के विद्यार्थियों का वेस्ट टू वेल्थ – कचरे से कंचन मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

बेमेतरा। जिला मुख्यालय बेमेतरा में भव्य रूप से राज्योत्सव 2025 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने दीप प्रज्वलन कर राज्योत्सव का उदघाटन किया। उनके साथ मंच पर विधायक दीपेश साहू, विधायक ईश्वर साहू, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि योगेश तिवारी, जिला अध्यक्ष अजय साहू तथा बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे। राज्योत्सव में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए मॉडल एवं प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहे।सबसे महत्वपूर्ण बात केवल एक मात्र डीएवी जांता के मॉडल को तीन दिनों तक चलने वाले रजत जयंती राज्योत्सव के तीनों दिनों के लिए प्रदर्शनी हेतु चयनित हुए हैं। विशेष रूप से डी ए वी मुख्यमंत्री विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडल वेस्ट टू वेल्थ- कचरे से कंचन को सभी अतिथियों एवं दर्शकों ने सराहा। इस मॉडल में विद्यार्थियों ने धान के पुआल (पैरा) का उपयोग कर मशरूम उत्पादन दिखाया, जिसके बाद बचत मशरूम वेस्ट का प्रयोग जैव उर्वरक (बायो फर्टिलाइजर) निर्माण में किया गया, और यह जैव उर्वरक पुनः खेती में उपयोग किया जाता है – जिससे एक शून्य अपशिष्ट समाधान (जीरो वेस्ट सोल्युशन) का उदाहरण प्रस्तुत हुआ। मुख्य अतिथियों ने छात्रों की रचनात्मकता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नवाचार न केवल छात्रों के ज्ञान को दिशा देते हैं, बल्कि सतत विकास की ओर प्रेरक कदम हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य पी एल जायसवाल ने छात्रों के इस अभिनव प्रयास पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने जो कार्य किया है, वह आज की सबसे बड़ी आवश्यकता पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा हुआ है। ऐसे मॉडल न केवल सीखने की प्रक्रिया को व्यावहारिक बनाते हैं, बल्कि समाज को स्वच्छ और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का संदेश देते हैं। साथ जिले के कोई भी किसान व बेरोजगार युवा इस मॉडल से सिख लेकर सचमुच कचरा से कंचन (सोना, धन)अर्थात बिना लागत के लाखों रूपए कमाई कर सकता हैं। यह एक मॉडल ही नही बल्कि रोजगार का साधन हैं। इस मॉडल से प्रेरणा लेकर भी जिंदगी बदल सकते हैं। प्रधानाचार्य ने साथ ही सभी शिक्षकों की भी प्रशंसा की जिन्होंने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकगणों के सतत परिश्रम, प्रेरणा और सहयोग से ही विद्यार्थी इस स्तर तक अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर पाए हैं।

रजत जयंती उत्सव के दौरान कलेक्टर के खिलाफ भाजपाईयों सहित पार्षदों ने नारेबाजी कर समारोह का किया बहिष्कार

बेमेतरा विधायक ने कार्यक्रम का किया बहिर्गमन

बेमेतरा। बेमेतरा जिला मुख्यालय में हो रहे रजत जयंती उत्सव के दौरान लोग उस समय अचंभित हो गए। जब कलेक्टर के व्यवहार से क्षुब्ध होकर बेमेतरा के भाजपाई पार्षद कार्यकताओं ने कलेक्टर के खिलाफनारेबाजी करते हुए समारोह का बहिष्कार कर बाहर निकल आया। मामला इतना तुल पकड़ लिया कि बेमेतरा विधायक भी उन लोगों के साथ कार्यक्रम का बहिर्गमन कर दिया। इतना ही नहीं बल्कि बाद दुर्ग के सांसद विजय बघेल जिला के दो विधायकों और नगर पालिका अध्यक्ष जिला भाजपा अध्यक्ष सहित भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं की बैठक हुई, जिसमें कलेक्टर के व्यवहार और क्रियाकलापों को लेकर भारी रोष व्यक्त करते हुए खुल कर नाराजगी जताई गई और इस संबंध में आगे की रणनीति पर भी विचार किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती उत्सव के दौरान बेमेतरा में उस वक्त हंगामा हो गया, जब भाजपा के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि विधायक दीपेश साहू सहित अन्य भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम स्थल से बहिर्गमन कर दिया। यह बवाल सांसद विजय बघेल की मौजूदगी में हुआ। बेमेतरा जिला मुख्यालय के सीनियर बेसिक स्कूल मैदान जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्य का रजत राज्योत्सव के मंच पर किसी बात को लेकर भाजपा जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर के बीच तकरार हो गई। भाजपा नेताओं का आरोप है कि कलेक्टर ने अभद्र व्यवहार किया, जिसके विरोध में उन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार किया। भाजपा कार्यकर्ता ने बताया कि राज्योत्सव मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में सभी लोग बैठे हुए थे और कार्यक्रम सफलतापूर्वक देख रहे थे। वहीं सामने कलेक्टर बैठे थे और उनके ठीक पीछे पार्षद और अन्य लोग बैठे हुए थे। इसी दौरान वेटर कुछ काम कर रहे थे, तभी कलेक्टर ने उन्हें डांटते हुए कहा, चलो, यहां से भागो। उसके कुछ ही सेकंड बाद उन्होंने ऊंची आवाज में हमें भी कहा चलो आप लोग भी यहां से पीछे बैठो। यह बात हमें अच्छी नहीं लगी। हम जनप्रतिनिधि हैं, हमारे साथ पार्षद भी थे। कलेक्टर का यह व्यवहार हमें बिल्कुल ठीक नहीं लगा। हमने यह बात अपने विधायक को बताई, जिसके बाद विधायक समेत सभी भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि कार्यक्रम स्थल से निकलकर रेस्ट हाउस लौट आए।

बैठक में कलेक्टर के खिलाफ जताई नाराजगी

इसके बाद बेमेतरा में स्थित विश्राम गृह में बैठक हुई जिसमें दुर्ग सांसद विजय बघेल बेमेतरा विधायक दीपेश साहू सहित जिला भाजपा अध्यक्ष बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा के अलावा विभिन्न भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पार्षद उपस्थित थे। बताया जाता है कि बैठक में कलेक्टर के क्रियाकलापों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी रोष जताते हुए नाराजगी व्यक्त किया गया। यहां पर कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित लोगों ने कलेक्टर की रवैया को अनुचित बताते हुए असंतोष व्यक्ति किया गया। इसके बाद विभिन्न लोगों के द्वारा भी इस मामले पर अपने विचार रखे गए और अंत में बैठक में ही इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री को इस घटना के संबंध में अवगत कराया गया।

जब तक कलेक्टर एसपी रहेंगे कार्यक्रम का किया जाएगा बहिष्कार

इस संबंध में बेमेतरा की विधायक दीपेश साहू ने पूरे घटना के बारे में बताया कि कलेक्टर के द्वारा मंच के पीछे कुर्सी पर बैठे भाजपा के पदाधिकारियो के साथ भाजपा पार्षद को उठकर जाने के लिए कहा गया। इसके बारे में कार्यकर्ताओं ने उन्हें आकर बताया इस पर मैंने कलेक्टर से बात किया। लेकिन इसी बीच कार्यकर्ताओं के द्वारा नारेबाजी करने लग गए, जिसके कारण सबको लेकर रेस्ट हाउस आया। रेस्ट हाउस में सांसद विजय बघेल जिला भाजपा अध्यक्ष नगर पालिका अध्यक्ष सहित बेमेतरा के पदाधिकारी कार्यकर्ता सब के बीच में चर्चा हुई।

ऑल इंडिया लीनेस क्लब सी एम–1 संपदा बेमेतरा का एरिया कॉफ्रेंस संपन्न

बेमेतरा। छत्तीसगढ स्थापना दिवस के दूसरे दिन 2 नवंबर को होटल वृंदावन दुर्ग में एरिया 7 का एरिया कॉफ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें एरिया के सभी क्लबों की उपस्थिति रही ।सभी क्लबों के साल भर के गतिविधियों का आकलन किया गया उनके गतिविधियों के आधार पर उनको सम्मानित किया गया। बेमेतरा की क्लब अध्यक्ष लीनेस शशि तिवारी को एक्सट्रा ऑर्डनरी अध्यक्ष के खिताब से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। क्लब की सचिव आरती साहू को बेस्ट सचिव का सम्मान स्मृति चिन्ह देकर किया गया । क्लब की कोषाध्यक्ष लीनेस वर्षा गौतम को बेस्ट का सम्मान स्मृति चिन्ह देकर किया गया। लीनेस वर्षा गौतम को 41 बार रक्तदान करने के उपलक्ष मेंविशेष सम्मान दिया गया। सर्वश्रेष्ठ ड्रेस का एवं एल्बम में भी लीनेस क्लब बेमेतरा प्रेरणा मैन प्रथम रही।

श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में बताया कि किसी दूसरे की संपत्ति धन ऐश्वर्य वैभव को देखकर मन में कभी बैर की भावना नहीं रखना

दल्लीराजहरा। माताजी स्व. सरोज यादव के स्मृति में 28 अक्टूबर से 5 नवंबर तक ब्राह्मण समाज भवन में चल रहे श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह में पंडित गजानंद द्विवेदी ने अपने कथा में बताया कि किसी दूसरे की संपत्ति धन ऐश्वर्य वैभव को देखकर मन में कभी बैर की भावना नहीं रखनी चाहिए। भगवान ने जो आपके भाग्य में लिखा है वही आपको प्राप्त होगा। इसके लिए आप निरंतर भगवान को साक्षी मानकर पूरी लगन और ईमानदारी के साथ मेहनत करें। कथा के तीसरे दिन शिव पार्वती शिव सती की कथा बताया गया। कथा के मध्य में उन्होंने बताया कि एक गांव में एक व्यक्ति रहता था उन्हें कहीं से एक मनोकामना पूर्ण करने वाला शंख प्राप्त हुआ। शंख में यह गुण था कि यदि आप उनसे कुछ भी मांगो तो आपसे दोगुना पड़ोसी को मिलता था। वह व्यक्ति प्रतिदिन उनसे अपने इच्छा अनुसार मांगता लेकिन पड़ोसियों को उनसे दुगुना मिल जाता। इससे उनकी पत्नी हमेशा नाराज रहती थी। एक दिन किसी कारणवश उसे कहीं जाना पड़ा। उन्होंने अपनी पत्नी को सख्त हिदायत दी कि किसी भी कीमत पर शंख को अलमारी से बाहर मत निकालना। कुछ दिन बाद वापस आया तो देखा कि पूरे गांव में सभी का घर डबल मंजिल का हो गया था। उसे समझने में देर नहीं लगा उन्होंने अपने जो घर सिंगल था समझ गया वही मेरा है। उन्होंने घर पहुंच कर पत्नी से शंख को मंगवाया और उनसे प्रार्थना कर कहा हे शंख देवता मेरी एक आंख फूट जाए उस व्यक्ति की एक आंख तो फूट गई लेकिन इसके विपरीत जो शंख का गुण था उसके परिणाम स्वरूप पूरे गांव वाले अंधे हो गए। अब व्यक्ति की पत्नी और वह दोनों खुश हो गए। एक दिन वह अकेला जा रहा था अचानक सामने पत्थर आ जाने पर गिर गया, अब उसकी दूसरी आंख फूट गई अब वह व्यक्ति अंधा हो गया। उन्होंने किसी तरह घर पहुंचा और अपनी पत्नी से कहा तुरंत शंख देवता को बाहर निकालो। उन्होंने शंख देवता को प्रणाम कर कहा हे शंख देवता मेरे दोनों आंख ठीक हो जाए। तब शंख देव ने कहा यह विधि के विधान के विपरीत है। भगवान ने मानव को दो आंख दिए हैं मैं नहीं चाहता कि सभी के चार-चार आंख हो जाए तब उन्होंने कहा ठीक है मेरी एक आंख ठीक हो जाए उस व्यक्ति की एक आंख तो ठीक हो गई लेकिन पूरे गांव वाले के दोनों आंखें ठीक हो गई।

राज्य गठन दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी का हुआ पूजन, दीपों की रौशनी से निखरी छटा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय परिसर का वातावरण पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंगा नजर आया। छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष सिनियर सिटीजन द्वारा पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया गया। इसी दौरान दीप प्रज्वलित कर छत्तीसगढ़ महतारी की जय के जयकारों से परिसर गूंज उठा। छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा चारों ओर बेला, गुलाब और रंग-बिरंगे पुष्पों के पौधो से सुशोभित है। जिससे पूरा परिसर और भी मनमोहक दिखाई दे रहा है। छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर फोकस लाइट से रोशनी की जा रही है। राज्योत्सव की इस उल्लासमयी संध्या में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा श्रद्धा, संस्कृति और गौरव का प्रतीक बनकर सभी का ध्यान आकर्षित कर रही है। जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर फोकस लाइट से आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की गई है।

जिले में पहली बार नवीन फसल के रूप में की जा रही है कुसुम की खेती

बालोद। जिले में रबी वर्ष 2025-26 में नेशनल मिशन ऑन इडिवल ऑयल-ऑयलसीड योजनांतर्गत पहली बार नवीन फसल के रुप में 125 हेक्टेयर कुसुम की खेती जा रही है। जिसका बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत कृषकों का पंजीयन कराया जाएगा। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के महिला कृषकों को बीज उत्पादन पंजीयन में शतप्रतिशत छूट का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि कुसुम भर्री एवं कन्हार जैसे भूमि जिसकी जल धारण क्षमता अच्छी होती का चयन करना चाहिए। सिंचित फसल को मटासी जैसी हल्की भूमि पर भी ले सकतें है, कुसुम उत्पादन हेतु अच्छी जल निकास की व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। बुआई अक्टूबर माह से नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह तक हो जानी चाहिए। बीज की मात्रा 10 से 12 किलोग्राम प्रति एकड़ की जरुरत होती है, बुआई कतार बोनी सीड ड्रील के माध्यम से करने पर अधिक उत्पादन प्राप्त होता है। सूक्ष्म पोषक तत्व के रुप में सल्फर का उपयोग करने से इसकी तेल की मात्रा में वृद्धि होती है। यह 120 से 150 दिन की फसल है, इसका औसत उत्पादन 08 से 10 क्विंटल प्रति एकड़ प्राप्त होता है। उत्पाद की कीमत औसतन 08 हजार रूपये प्रति क्विंटल प्राप्त होती है। इसलिए तिलहन फसल कुसुम जिले के कृषकों के लिए एक बेहतर विकल्प है। इसका तेल स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है और इसे खाने के साथ-साथ सौंदर्य उत्थान में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसके तेल में कोलेस्ट्रॉल कम करने और दिल को स्वस्थ रखने में मददगार होता है। इसके अलावा कुसुम की खेती से कम लागत और कम मेहनत में अच्छी आमदनी की संभावनाएं हैं, इसलिए कुसुम एक लाभकारी फसल है। कुसुम को चटख रंगों की पंखुड़ियों तथा नारंगी रंग की डाई (कामिन) व इसके बीजों के कारण खेती की जाती है। इसके बीजों में 26 से 36 प्रतिशत तक तेल पाया जाता है। इसका तेल सुनहरे पीले रंग का होता है और विभिन्न उददेश्यों के लिए उपयोग किया जाता है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव, रजत जयंती : जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह में जनसंपर्क विभाग द्वारा लगाई गई छायाचित्र प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। राज्योत्सव समारोह के दौरान जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिक, महिला, युवाओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभाग द्वारा प्रस्तुत किए गए सृजनात्मक, जानकारीपूर्ण और प्रभावशाली प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी राज्य शासन की जनकल्याणकारी नीतियों, योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम है। राज्योत्सव की इस रजत जयंती प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की गौरवशाली विकास यात्रा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा सुशासन, पारदर्शिता और सर्वांगीण विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की झलक को आकर्षक, सरल और प्रेरणादायक शैली में प्रदर्शित किया गया है। इस दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा 'जनमन' पत्रिका, 'सुशासन तिहार 2025' विशेषांक, कबीरधाम जिले की विकास पर अधारित संवाद से समाधान तक और विभिन्न ब्रोशर का निशुल्क वितरण भी किया गया। इन प्रकाशनों के माध्यम से शासन की प्राथमिकताओं, जन कल्याणकारी योजनाओं और सफलता की कहानियों को प्रभावी ढंग से नागरिकों तक पहुँचाया गया। राज्योत्सव स्थल पर बड़ी संख्या में नागरिकों, छात्र-छात्राओं, ग्रामीणों एवं गणमान्य जनों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और सराहनीय पहल बताया। लोगों ने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल शासन की योजनाओं की झलक दिखाती है, बल्कि सरकार और जनता के बीच संवाद, विश्वास और सहभागिता को सशक्त करने का एक प्रभावी माध्यम भी है।

छत्तीसगढ़ स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर बेमेतरा में धूमधाम से मनाया गया रजत राज्योत्सव

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर बेमेतरा जिला मुख्यालय में रजत राज्योत्सव हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। ऐतिहासिक बेसिक स्कूल मैदान बेमेतरा में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव सह रजत महोत्सव 2025 का शुभारंभ मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने किया। लेकिन कार्यक्रम के संबंध में आम आदमी के बीच व्यापक प्रचार प्रसार नहीं हो पाया जिसका परिणाम स्वरूप पिछे के बहुत कुर्सी खाली रही। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर अति विशिष्ट अतिथि विधायक बेमेतरा दीपेश साहू, विधायक साजा ईश्वर साहू, अध्यक्ष छ.ग. तेलीघानी विकास बोर्ड जितेन्द्र कुमार साहू, अध्यक्ष छ.ग. रजकाकार विकास बोर्ड प्रहलाद रजक, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य प्रीतम चंदेल, जनप्रतिनिधि अजय साहू, राजेन्द्र शर्मा, ओमप्रकाश जोशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूँज उठा मैदान-राज्योत्सव के शुभारंभ के पूर्व स्थानीय लोक कलाकारों एवं स्कूली विद्यार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति से ओतप्रोत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। नाचा, करमा, सुवा, पंथी और अन्य लोक नृत्यों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। दर्शकों ने उत्साहपूर्वक तालियाँ बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

शासकीय विभाग में छत्तीसगढ़ के लुप्त हो रहे व्यंजनों से अवगत कराने लगाया स्टाल, दूसरी अन्य स्टाल में बिक रहा है मोमोस

बेमेतरा। महिला एवं बाल विकास विभाग छत्तीसगढ़ के लुप्त हो रहे व्यंजनों से अवगत कराने के लिए स्टाल विभिन्न प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजनों लगाया है तो वहीं एक दूसरी स्टाल में मोमोस बेचा जा रहा है इससे जनता दिग्भ्रमित हो रही है। छत्तीसगढ़ राज्य

स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित रजत राज्योत्सव के अंतर्गत जिला मुख्यालय बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक स्कूल ग्राउंड मैदान में तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ। राज्योत्सव के शुभारंभ के के अवसर पर राज्य सरकार के विभिन्न विभिन्न का विभागीय स्टॉल प्रदर्शनी लगाया गया। विभिन्न विभागों के स्टॉलो जिले में पिछले 25 वर्षों में हुए विकास कार्यों, योजनाओं, की जानकारी दी गई। इस प्रदर्शनी में जिला पंचायत, जनपद पंचायतें, महिला एवं बाल विकास, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन, समाज कल्याण, जल संसाधन, शिक्षा, उद्योग, श्रम, स्वास्थ्य, वन, ऊर्जा (क्रेडा), लोक निर्माण, नगरीय निकाय, बीज निगम, कृषि विज्ञान केंद्र, जनसंपर्क विभाग सहित 30 से अधिक विभागों द्वारा लगाए हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com